हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 196 बेमेतरा, मंगलवार 10 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

महापुरुषों के जीवन और विचारों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेगी नई पीढ़ी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने बीएसएस प्रणवानंद स्कूल के 'कल्चरल एंड हेरिटेज म्यूज़ियम' का किया अवलोकन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित बीएसएस प्रणवानंद स्कूल परिसर पहुंचकर भारत माता की मूर्ति तथा भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मुख्यमंत्री साय ने स्कूल परिसर में स्थापित कल्चरल एंड हेरिटेज म्यूजियम का अवलोकन किया। स्कूल के सचिव स्वामी शिवरूपानंद जी महाराज ने उन्हें संग्रहालय का विस्तृत भ्रमण कराया। मुख्यमंत्री ने उत्सुकता के साथ संग्रहालय में प्रदर्शित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, ऋषि-मुनियों तथा भारत सेवाश्रम संघ द्वारा संचालित मानव कल्याण से जुड़े कार्यों और गतिविधियों की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्कूली बच्चों को भारत के समृद्ध इतिहास, ऋषि-मुनियों, महान चिंतकों, धर्म प्रवर्तकों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान से परिचित कराने की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और गौरवशाली रही है, जिसे हमारे ऋषि-मुनियों, विद्वानों और महापुरुषों ने अपने ज्ञान, तप और त्याग से और अधिक समृद्ध बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी को अपने इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। इससे बच्चों में अपने राष्ट्र, संस्कृति और मूल्यों के प्रति गर्व की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि बीएसएस प्रणवानंद स्कूल द्वारा स्थापित यह संग्रहालय भावी पीढ़ी को हमारे धर्म, ग्रंथों, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का प्रेरणादायक माध्यम बनेगा। इस अवसर पर स्कूल के सचिव स्वामी शिवरूपानंद जी महाराज ने मुख्यमंत्री साय को शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि बीएसएस प्रणवानंद स्कूल में भारत के महान ऋषि-मुनियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले महान व्यक्तित्वों की प्रतिमाएं उनके जीवन और कार्यों की जानकारी के साथ स्थापित की गई हैं।

इनमें महर्षि वेदव्यास, ब्रह्मर्षि विश्वामित्र, सुश्रुत, कणाद, आर्यभट्ट, रामानुजाचार्य, स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन राय, पृथ्वीराज चौहान, रानी लक्ष्मीबाई, खुदीराम बोस, महर्षि दयानंद और भगवान बिरसा मुंडा सहित अनेक महान विभूतियां शामिल हैं।

लेबनान में हड्डियों तक को गला देने वाले केमिकल का इस्तेमाल का दावा

, इस्राइल पर लगा गंभीर आरोप

नई दिल्ली। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच ने इस्राइल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के एक गांव पर व्हाइट फॉस्फोरस वाले गोले दागे, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत विवादित और खतरनाक हथियार माने जाते हैं।

दक्षिणी लेबनान पर इस्राइल का हमला

रिपोर्ट के अनुसार, संगठन ने सात तस्वीरों को जियोलोकेट और सत्यापित कर यह निष्कर्ष निकाला कि इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के योहमोर गांव के रिहायशी इलाकों में तोपखाने के जरिए व्हाइट फॉस्फोरस का इस्तेमाल किया। यह हमला उस समय हुआ जब इस्राइली सेना ने कुछ घंटे पहले ही गांव के निवासियों और दक्षिणी लेबनान के कई अन्य गांवों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा कि वह स्वतंत्र रूप से यह पुष्टि नहीं कर पाया कि उस समय गांव में कोई नागरिक मौजूद था या इस हमले में किसी को नुकसान पहुंचा।

मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के मुताबिक, घनी आबादी वाले क्षेत्रों में व्हाइट फॉस्फोरस का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन माना जाता है। यह रासायनिक पदार्थ अत्यधिक गर्म होकर जलता है, जिससे इमारतों में आग लग सकती है और यह मानव शरीर को हड्डियों तक जला सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मामूली जलन के बाद भी पीड़ितों को संक्रमण, अंगों के फेल होने या सांस संबंधी गंभीर समस्याओं का खतरा बना रहता है।

मानवाधिकार संगठनों ने जताई चिंता

ूमन राइट्स वॉच के लेबनान शोधकर्ता रामजी काइस ने कहा कि रिहायशी इलाकों के ऊपर इस्राइली सेना द्वारा व्हाइट फॉस्फोरस का इस्तेमाल बेहद चिंताजनक है और इससे नागरिकों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इस मामले पर इस्राइली सेना की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। हालांकि, इससे पहले सेना यह कहती रही है कि वह व्हाइट फॉस्फोरस का इस्तेमाल स्मोक स्क्रीन बनाने के लिए करती है, न कि नागरिकों को निशाना बनाने के लिए।

मानवाधिकार संगठनों ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल का कहना है कि इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच पिछले युद्ध के दौरान भी दक्षिणी लेबनान में कई बार व्हाइट फॉस्फोरस का इस्तेमाल किया गया था, जबकि उस समय भी वहां नागरिक मौजूद थे।

धान खरीदी, दुर्ग में अफीम खेती के मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा

रायपुर। विधानसभा के बजट सत्र में धान खरीदी और दुर्ग जिले में सामने आई अवैध अफीम की खेती के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। प्रश्नकाल के दौरान धान खरीदी को लेकर कांग्रेस विधायकों ने सरकार को घेरा और मंत्री से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी कर सदन से बहिर्गमन किया। वहीं शून्यकाल में दुर्ग के समोद गांव में कथित अफीम खेती का मामला उठने पर सदन में जोरदार हंगामा हुआ और कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी। प्रश्नकाल में विधायक लखेश्वर बघेल ने वर्ष 2025-26 में हुई धान खरीदी और उसके उठाव को लेकर सरकार से सवाल किया। उन्होंने कहा कि धान खरीदी कब शुरू हुई और किसानों को भुगतान की किस्तों की स्थिति क्या है, इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। इस पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने बताया कि बस्तर संभाग में कुल 46846.86 टन धान का उठाव हुआ है। इसके अलावा बीजापुर में 21888.59, दंतेवाड़ा में 9757, कांकेर में 147528.3, कोंडागांव में 58911.78, नारायणपुर में 17383.06 और सुकमा में 16608.14 टन धान का उठाव किया गया है।

दिव्यांग पदोन्नति आरक्षण पर भूपेश बघेल का तंज

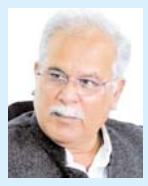

विधानसभा के प्रश्नकाल में दिव्यांगजनों को पदोन्नति में आरक्षण के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के जवाब पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसा उत्तर समझ से परे है कि कोई अधिकारी पदोन्नति लेना ही नहीं चाहता। प्रश्नकाल के दौरान विधायक प्रमोद मिंज ने दिव्यांग कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण का विषय उठाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रावधान और न्यायालय के निर्देशों के अनुसार पदोन्नति में चार प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन राज्य में इस दिशा में अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने यह भी पूछा कि पदोन्नति की प्रक्रिया कब शुरू होगी और इसके लिए समयसीमा क्या तय की गई है। इस पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने दिव्यांग कर्मचारियों के लिए पदोन्नति में तीन प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान रखा है, लेकिन अभी तक इस श्रेणी में कोई पदोन्नति नहीं हुई है। पदोन्नति के लिए आवेदन भी प्राप्त नहीं हुए, केवल एक आवेदन आया था जिसे बाद में वापस ले लिया गया।

बालोद जिला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

■ सौरभ विश्वास नामक व्यक्ति ने हॉट मेल से किया मैसेज, मचा हड़कंप

बालोद। जिला सत्र न्यायालय में उस समय हड़कंप मच गया जब कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। एहतियातन सभी कोर्ट में जारी सुनवाई रोकनी पड़ी। और देखते ही देखते जिला सत्र न्यायालय छावनी में तब्दील हो गया। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस बल पहुची और सुरक्षा की दृष्टिकोण से तत्काल कोर्ट को खाली करवाया गया, बगल में लगे तहसील एवं एसडीएम परिसर को भी खाली करवाया गया। ई मेल के जरिए कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। बम से उड़ाने की धमकी मिलते ही कोर्ट में हड़कंप में मच गया। कोर्ट के सभी मजिस्ट्रेट और वकीलों को पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। कोर्ट के चारो ओर 500 मीटर के दायरे में बैरिकेटिंग और रस्सी लगाकर सील किया गया। एहतियात के तौर पर एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर तैनात की गई थी। दरअसल, सोमवार सुबह 11 बजे जिला-सत्र न्यायालय के मेल पर धमकी भरा मैसेज आया। इसके बाद फौरन मामले की जानकारी पुलिस और प्रशासन के उच्च अधिकारियों की दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बस और अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट परिसर को खाली कराया गया और वहां मौजूद लोगों को बाहर निकाला गया।

दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को राहत

नयी दिल्ली। दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को कड़कड़डूमा कोर्ट ने सोमवार को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शरजील इमाम को अपने भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां की देखभाल करने के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत दी है। एडिशनल सेशन जज समीर बाजपेई की अदालत ने शरजील को 20 मार्च से 30 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। शरजील इमाम ने अदालत में अर्जी देकर 10 दिनों की अंतरिम रिहाई की मांग की थी। उनकी ओर से वकीलों ने दलील दी कि उनके सगे भाई की जल्द ही शादी होने वाली है।

हवाई क्षेत्र बंद होने से इंडिगो की दिल्ली मैनचेस्टर फ्लाइट 7 घंटे बाद वापस लौटी

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण कई देशों ने अचानक अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इसी वजह से इंडिगो की दिल्ली से मैनचेस्टर जाने वाली फ्लाइट को करीब सात घंटे उड़ान भरने के बाद वापस दिल्ली लौटना पड़ा।

एयरलाइन ने सोमवार को इस घटना की पुष्टि की। एयरलाइन के प्रवक्ता के मुताबिक, फ्लाइट 6E 033 दिल्ली से मैनचेस्टर के लिए रवाना हुई थी, लेकिन उड़ान के दौरान कुछ देशों द्वारा अंतिम समय में एयरस्पेस प्रतिबंध लागू कर दिए गए। इसके चलते विमान को सुरक्षा कारणों से वापस दिल्ली लौटना पड़ा। प्रवक्ता ने कहा कि पश्चिम एशिया और उसके आसपास की स्थिति तेजी से बदल रही है। ऐसे हालात में कई उड़ानों को लंबा मार्ग लेना पड़ सकता है या उन्हें बीच रास्ते से ही मोड़ना पड़ सकता है। इसी वजह से इस उड़ान को भी अपने शुरुआती स्थान दिल्ली लौटना पड़ा। एयरलाइन ने बताया कि यात्रियों की यात्रा फिर से शुरू कराने के लिए संबंधित अधिकारियों और एयरपोर्ट एजेंसियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार यात्रियों, क्रू और विमान की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस घटना की जानकारी सबसे पहले फ्लाइट ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म FlightRadar24 ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की थी।

राज्यसभा चुनाव तीन राज्यों के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार, हरियाणा और ओडिशा में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किये हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने सोमवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नवीन ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा को बिहार का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वहीं, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को हरियाणा की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ ही महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को ओडिशा का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। गौरतलब है कि भाजपा ने चार मार्च को देश के छह राज्यों में होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों के नानों की घोषणा की थी। देश के 10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होना है और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि सोमवार (9 मार्च) है।

राज्यसभा की कुल कुल 73 सीटों में से 26 सीटों पर उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना तय है, लेकिन तीन राज्यों की 11 सीटों के लिए सियासी घमासान है।

भाजपा सरकार से ना रुपया संभल रहा है ना देश की अर्थव्यवस्था : बैज

रायपुर। डॉलर के मुकाबले रुपए की लगातार गिरावट, मुद्रास्फीति और अर्थव्यवस्था की हालत के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि गलत आर्थिक नीतियों और वित्तीय कुप्रबंधन के कारण ही रुपया तेजी से कमजोर हो रहा है, यह सरकार हर मोर्चे पर असफल हो चुकी है अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया लगातार टूट रहा है।

मोदी राज में रूपये के अवमूल्यन के मामले में एशिया में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा में शामिल हो गया है, लेकिन असहाय सरकार ठोस उपाय के बजाय केवल कुतर्क कर रही है। जनवरी 2014 में एक डॉलर 65 रुपए का था, जो अब 92 रूपया 26 पैसा पहुंच गया है, अर्थात मोदी राज के 11 साल में डॉलर के मुकाबले रुपया 45 प्रतिशत टूट चुका है, आर्थिक नाकामी का डंका बज रहा है। भाजपा की सरकार एपीस्टील फाइल में नाम आने के चलते ट्रम्प के आगे नतमस्तक दिख रही है। विदेश व्यापार में भारत कब, किससे, कितना खरीदी करेगा यह भी अमेरिका तय करने लगा है। रूपये के अवमूल्यन से विदेशी निवेशकों का भरोसा कम हो रहा है, व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। तेल, कच्चा माल, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी के आयात में अधिक कीमत चुकाना पड़ रहा है।

देश के समक्ष ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियों पर नियम 176 के तहत चर्चा कराने की मांग

सरकार बोली भारत के ऊर्जा हितों की रक्षा उसकी प्राथमिकता

नयी दिल्ली। सरकार ने राज्यसभा में स्पष्ट किया कि वह पश्चिम एशिया में उत्पन्न स्थिति का निरंतर आकलन कर रही है और इस क्षेत्र के देशों में भारतीयों की सुरक्षा , उनकी सकुशल वापसी तथा देश के ऊर्जा हितों की रक्षा करना उसकी प्राथमिकता है जबकि विपक्ष ने इस स्थिति के कारण देश के समक्ष ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियों पर नियम 176 के तहत चर्चा कराने की मांग को लेकर सदन से बहिर्गमन किया। विदेश मंत्री डा एस जयशंकर के पश्चिम एशिया तथा खाड़ी देशों की स्थिति के भारत पर प्रभाव के बारे में स्वतः दिये जाने वाले वक्तव्य से पहले विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने इस स्थिति के कारण देश में ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियों के मुद्दे पर नियम 176 के तहत सदन में चर्चा कराये जाने की मांग की। नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने कांग्रेस के रवैये को गैर जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि इनकी रूचि ने देश हित में है और न ही चर्चा में, बस इनकी रूचि केवल हुड़दंग मचाने में है।

नेता विपक्ष की मांग के तुरंत बाद डा जयशंकर ने विपक्ष के भारी शोर शराबे के बीच अपने वक्तव्य में पश्चिम एशिया की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि सरकार अमरीका और इजरायल की ईरान पर सैन्य कार्रवाई के बाद से स्थिति का निरंतर आकलन कर रही है और सभी संबंधित पक्षों के निरंतर संपर्क में है। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण इस मामले में मुख्य रूप से तीन बिन्दुओं पर आधारित है पहला सभी मुद्दों का समाधान बातचीत से हो , क्षेत्र में तनाव कम करने के कदम उठाये जायें , आम लोगों पर हमले न किये जायें। दूसरा क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और सकुशल वापसी सरकार की प्राथमिकता है और तीसरा देश के राष्ट्रीय और ऊर्जा हितों की रक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जायेगा। इससे पहले श्री खरगे ने ऊर्जा सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए इस पर नियम 176 के तहत सदन में चर्चा कराने की मांग की।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्थिति निरंतर बदल रही है और भारत भी इससे प्रभावित हो रहा है।

राहुल गाधी के नेतृत्व में कांग्रेस हो गयी है दिशाहीन : पीयूष गोयल

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोक सभा में अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर निर्धारित चर्चा करने के बजाय दूसरा मुद्दा उछाल कर कार्यवाही बाधित करने के कांग्रेस के रवैये की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि यह विपक्षी पार्टी राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरी तरह से विफल और दिशाहीन हो चुकी है। गोयल ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक समेत विपक्षी गठबंधन के सदस्य दल अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस से दूर हो गये हैं। अध्यक्ष पर सदन का पूरा भरोसा है और कांग्रेस उनके खिलाफअविश्वास प्रस्ताव पर अब चर्चा से भाग रही है। सांसद संविद पात्रा और अनिल बलूनी भी गोयल के साथ थे।

दिल्ली शराब घोटाला : केजरीवाल समेत सभी 23 आरोपियों को नोटिस

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के संबंध में केंद्रीय जांच एजेंसियों को बड़ी राहत देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित सभी 23 आरोपियों को बरी करते समय निचली अदालत की ओर से केन्द्रीय जांच ब्यूरो पर की गयी टिप्पणियों पर रोक लगा दी है। न्यायालय ने सभी आरोपियों को नोटिस भी जारी किये हैं।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने आरोपियों को बरी किये जाने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए निचली अदालत के आदेश में की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी।

उच्च न्यायालय ने निचली अदालत को यह भी निर्देश दिया है कि इस याचिका पर कोई फैसला होने तक वह आबकारी नीति के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रहे मामले पर आगे सुनवाई नहीं करे। उच्च न्यायालय ने उन सभी आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है जिन्हें इस मामले में बरी किया गया था। इस मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता तुषार मेहता ने न्यायालय से याचिका स्वीकार करने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह देश के सबसे बड़े घोटालों में से एक है और 'राष्ट्रीय शर्म' का विषय है।

मृत्यु भोज पर रोक, शांति भोज स्वैच्छिक – जिला साहू संघ बेमेतरा की कार्यकारिणी बैठक में कई अहम निर्णय

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला साहू संघ बेमेतरा के जिला अध्यक्ष नारद साहू अध्यक्षाता मे हुए कार्यकारिणी बैठक में समाज के हित और सामाजिक सुधार को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक में विशेष रूप से मृत्यु भोज की प्रथा पर प्रतिबंध लगाने तथा शांति भोज को पूर्णतः स्वैच्छिक करने का निर्णय लिया गया। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय सामाजिक व्यय को कम करने और समाज में सादगी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में एक और अहम निर्णय लेते हुए तालाब में चूड़ी उतारने की परंपरा पर भी प्रतिबंध लगाया गया। इसके स्थान पर यह प्रक्रिया अब घर पर ही महिलाओं द्वारा संपन्न कराए जाने का निर्देश जारी किया गया, जिससे अनावश्यक भीड़ और परंपरा से जुड़े असुविधाजनक पहलुओं से बचा जा सके। बैठक में समाज के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण और सामाजिक गतिविधियों के विस्तार को लेकर भी कई बिंदुओं पर चर्चा

करते हुए प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें मां कर्मा जयंती के आयोजन के निर्देश, विभिन्न प्रकोष्ठों का विस्तार, अंतर्जातीय प्रकरणों के लिए दिशा-निर्देश, अंश राशि एवं ऑडिट व्यवस्था, प्रत्येक क्षेत्र से दो-दो नाम मंगाने, कर्मा मंदिर व सामाजिक भवन की जानकारी एकत्र करने, अधिक से अधिक आजीवन सदस्य बनाने, सदस्यता शुल्क एवं सामाजिक गणना, सभी संगठनों के बैंक खाते खोलने तथा जिलों के लिए नए खाते खोलने का प्रस्ताव शामिल है। साथ ही समाज के आय-व्यय की पूर्ति हेतु संसाधनों के समुचित उपयोग पर भी जोर दिया गया। बैठक में यह भी निर्देश जारी किया गया कि समाज में शांति भोज की परंपरा को लागू किया जाए तथा प्री-वेडिंग शूटिंग जैसी अनावश्यक खर्चीली प्रवृत्तियों को बंद किया जाए, ताकि समाज में सादगी और अनुशासन की भावना मजबूत हो सके। इसी क्रम में जिला साहू संघ के अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामीण अध्यक्षों एवं परिक्षेत्रीय तहसील पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि पापमोचनी एकादशी (15 मार्च) को पूरे छत्तीसगढ़ में मां कर्मा जयंती सामूहिक रूप से मनाई जाएगी। सभी पदाधिकारी अपने-अपने ग्राम और परिक्षेत्र में इस कार्यक्रम का आयोजन अनिवार्य रूप से करेंगे तथा इसे समाज के लिए एक त्यौहार के रूप में मनाया जाएगा। निर्देशानुसार इस दिन प्रत्येक परिवार अपने घर में रंगोली बनाएगा, वहीं शाम के समय अपने दरवाजे पर मां कर्मा के नाम से पांच दीपक प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके साथ ही सभी परिवार अपनी सुविधा अनुसार मां कर्मा की पूजा-आरती कर प्रसाद स्वरूप खिचड़ी का वितरण करेंगे। उक्त जानकारी देवेंद्र साहू महासचिव जिला साहू संघ बेमेतरा के द्वारा दी गई

खाद्य सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा, खाद्य कारोबारियों और मध्यान्ह भोजन कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण व खाद्य लाइसेंस शिविर 10 से 13 मार्च तक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के तत्वावधान में जिले में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से छोटे खाद्य व्यवसाय संचालकों और मध्यान्ह भोजन (मिड-डे मील) से जुड़े कर्मचारियों के लिए आयोजित किया जा रहा है, ताकि खाद्य पदार्थों के सुरक्षित निर्माण, भंडारण और वितरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से खाद्य व्यवसाय संचालकों और मध्यान्ह भोजन कर्मचारियों को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता के मानकों का पालन करने, भोजन को सुरक्षित ढंग से तैयार करने, खाद्य सामग्री के सही भंडारण तथा खाद्य पदार्थों के हैंडलिंग के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इससे खाद्य जनित बीमारियों की रोकथाम, पोषण मानकों में सुधार और आमजन के स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा शिक्षा विभाग के सहयोग से 10 मार्च से 13 मार्च 2026 तक जिले के विभिन्न विकासखंडों में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात सभी प्रतिभागियों को स्नश्रस्ङ्क्षष्ट प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा 7 प्रशिक्षण के साथ-साथ उन खाद्य व्यवसाय संचालकों के लिए खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिनके पास अभी तक खाद्य लाइसेंस या पंजीयन नहीं है। ऐसे संचालकों को प्रशिक्षण स्थल पर ही खाद्य लाइसेंस/पंजीयन के लिए आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं शिविर का आयोजन इन स्थानों पर किया जाएगा

10 मार्च 2026 ङ्क शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेमेतरा

11 मार्च 2026 ङ्क जनपद पंचायत सभाकक्ष, विकासखंड साजा

12 मार्च 2026 ङ्क स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, विकासखंड बेरला

13 मार्च 2026 ङ्क विकासखंड स्रोत केंद्र, नवागढ़

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले के सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों, होटल-ढाबा संचालकों, किराना दुकानदारों तथा मध्यान्ह भोजन बनाने वाले स्वसहायता समूहों से अपील की गई है कि वे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसका लाभ उठाएं। साथ ही जिनके पास खाद्य लाइसेंस उपलब्ध नहीं है, वे इस अवसर का लाभ लेते हुए खाद्य लाइसेंस अथवा पंजीयन के लिए आवेदन प्रस्तुत करें।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजन की समस्याएं, 68 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित किए जाने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के तहत बीते सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनदर्शन में कुल 68 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चालित ट्रायसायकल की मांग, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों से संबंधित आवेदन शामिल थे। कलेक्टर ने सभी आवेदनों का परीक्षण कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश कुमार भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति में जनदर्शन की प्रक्रिया सुचारू एवं प्रभावी ढंग से संपन्न हुई।

मवेशियों की तस्करी के आरोप में पुलिस ने किया नौ तस्करों को गिरफ्तार

जंगल रास्ते से तेलंगाना ले जाए जा रहे 171 मवेशी छुड़ाए

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले भोपालपट्टनम क्षेत्र में पुलिस ने मवेशी तस्करी के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन राज्यों के नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई थाना भोपालपटनम पुलिस ने सोमवार को मुखबिर की सूचना पर की, जिसमें 171 कृषिक पशुओं (गाय, बैल और बछड़े) को तस्करों के कब्जे से मुक्त कराया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग उल्लूर घाटीङ्कचिल्लमरका के जंगल और पहाड़ी रास्तों से मवेशियों को हांककर अवैध रूप से तेलंगाना ले जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर तस्करों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों के पास पशुओं के स्वामित्व और परिवहन से जुड़े कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस ने मौके से कुल 171 मवेशी बरामद किए, जिन्हें सुरक्षा के लिए नगर पंचायत भोपालपटनम के गौठान में रखा गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में तेलंगाना के 3, महाराष्ट्र के 5 और बीजापुर (छत्तीसगढ़) का 1 व्यक्ति शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों में थिपनपल्ली संजीव, हटकर राजू, कटकुरी मजनू (तेलंगाना), विनोद नारायण झाड़े, व्यक्ती गोडया दुर्गे, व्यक्ती राजीग्या दुर्गे, प्रवीण शंकर दुर्गे, अक्षय अजमेरा (महाराष्ट्र) तथा अशोक गुगलेम (बीजापुर) शामिल हैं।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण संशोधन अधिनियम 2011 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया है। भोपालपट्टनम थाना प्रभारी जीवन कुमार जांगडे ने बताया कि सीमावर्ती और ग्रामीण इलाकों में सक्रिय ऐसे तस्करी नेटवर्क के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा, ताकि कृषक पशुओं की अवैध तस्करी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में आम आदमी पार्टी का आक्रोश, दरें वापस लेने की मांग – शकील अंसारी

कुसमी/मूक पत्रिका

सद्दाम खान/कुसमी-। रसोई गैस की कीमतों में केंद्र सरकार द्वारा की गई वृद्धि को लेकर आम आदमी पार्टी ने कड़ी नाराजगी जताई है। पार्टी का कहना है कि गैस की बढ़ती कीमतों से आम जनता की रसोई का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है और गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि देश की राजधानी दिल्ली से लेकर छत्तीसगढ़ के सुदूर बलरामपुर जिले तक आम आदमी पार्टी लगातार महंगाई के खिलाफ आवाज उठा रही है। केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण आम जनता की रसोई का बजट पूरी तरह चरमरा गया है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक ओर केंद्र सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर लगातार रसोई गैस के दाम बढ़ाकर आम आदमी, गरीब और

मध्यम वर्गीय परिवारों की कमर तोड़ने का काम कर रही है।

साथ ही केंद्र सरकार से मांग की गई है कि बढ़ाई गई गैस की कीमतों को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। चेतावनी दी गई है कि यदि सरकार ने आम जनता की समस्या को नहीं समझा, तो आम आदमी पार्टी बलरामपुर जिले और कुसमी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी।

गुदमा के अंकित ने यूपीएससी में रची सफलता की कहानीः छोटे से आदिवासी गांव से निकलकर हासिल की बड़ी कामयाबी, मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉल कर दी बधाई

बीजापुर/मूक पत्रिका

भैरमगढ़ विकासखंड के छोटे से ग्राम गुदमा के रहने वाले अंकित सकनी ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में 816वीं रैंक हासिल कर जिले और पूरे बस्तर का नाम रोशन किया है। सीमित संसाधनों और दूरस्थ क्षेत्र में पले-बढ़े अंकित की इस सफलता को इलाके के युवाओं के लिए प्रेरणा माना जा रहा है।

अंकित की उपलब्धि पर मुख्यमंत्री Vishnu Deo Sai ने वीडियो कॉल के जरिए उनसे और उनके माता-पिता से बातचीत कर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजापुर जैसे दूरस्थ आदिवासी क्षेत्र के एक छोटे से गांव से निकलकर यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में सफलता पाना गर्व की बात है और यह प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

बीजापुर की सेंट्रल लाइब्रेरी में आयोजित एक कार्यक्रम में जिला प्रशासन ने भी अंकित का सम्मान किया। इस मौके पर कलेक्टर संबित मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि अंकित की मेहनत और लगन ने उन्हें यह मुकाम दिलाया है और उनकी सफलता जिले के युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी।

अंकित ने बताया कि उन्होंने जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत कक्षा 6वीं से 12वीं तक की पढ़ाई बेमेतरा के अलायंस स्कूल में की। इसके बाद भिलाई से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा पास करने पर उन्हें युवा कैरियर योजना के तहत एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि भी मिली, जिससे उनकी तैयारी को सहारा मिला।कार्यक्रम में मौजूद युवाओं से बातचीत करते हुए अंकित ने कहा कि अगर लक्ष्य साफ हो और मेहनत लगातार की जाए तो किसी भी मुश्किल को पार किया जा सकता है।

उन्होंने युवाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर पढ़ाई पर ध्यान देने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करते रहने की बात कही।

अंकित के माता-पिता जमुना सकनी और चंद्रैया सकनी ने भी अपने बेटे की सफलता पर खुशी जताई और कहा कि उन्हें उस पर गर्व है। अंकित की यह उपलब्धि आज पूरे बीजापुर जिले के लिए गर्व की बात बन गई है।

आजीविका और स्वच्छता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला सम्मान

महिला दिवस पर गोद ग्राम टेमरी की महिलाओं को राज्यपाल द्वारा सम्मान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला बेमेतरा के विकासखंड नवागढ़ अंतर्गत छ.ग. के राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा गोद लिए गए ग्राम टेमरी की महिलाओं ने जिले का नाम गौरवान्वित किया है। ग्राम टेमरी की बिहान स्व सहायता समूह से जुड़ी दो सक्रिय महिला सदस्यों रितु देवांगन एवं पूजा घृतलहरे को उनके उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायक कार्यों के लिए महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा लोक भवन, रायपुर में आयोजित गरिमामयी समारोह में सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर रितु देवांगन को ग्रामीण महिलाओं के आजीविका संवर्धन, स्वावलंबन एवं आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से विभिन्न आय आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया है। उनके प्रयासों से गांव की

कई महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरणा मिली है।

वहीं पूजा घृतलहरे को ग्राम स्तर पर स्वच्छता, साफ-सफाई, जनजागरूकता और

सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने, स्वच्छ वातावरण बनाने तथा गांव को साफ-सुथरा रखने के लिए निरंतर सक्रिय भूमिका निभाई है। उनके प्रयासों से ग्राम में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक माहौल बना है।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा कहा गया कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। आज महिलाएं आजीविका, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं।

ग्राम टेमरी की इन दोनों महिलाओं को मिला यह सम्मान जिला बेमेतरा के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। इससे जिले की अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़कर सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान देने की प्रेरणा मिलेगी। जिला प्रशासन द्वारा भी महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सामुदायिक नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ जिला इकाई सारंगढ़ के तत्वाधान में पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा का प्रथम चरण निकाला गया

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ जिला इकाई सारंगढ़ बिलाईगढ़ के तत्वधान में जिला उपाध्यक्ष अमित जायसवाल जी के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा का प्रथम चरण ग्राम पंचायत सलोनी से निकाला गया जो कि 4 पंचायत सलोनी , गाताडीह, लेंध्रा, चांटीपाली में यह यात्रा गया जहां पिछड़ा वर्ग के तमाम सरपंच महोदय जी को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भीम आर्मी प्रदेश उपाध्यक्ष खिलन प्रसाद साहू जी और प्रदेश महासचिव तुलेश दास महंत जी और अन्य पिछड़ा वर्ग, भीम आर्मी के तमाम सदस्यगढ़ उपस्थित रहे पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा में हमारी संविधानिक मांगे निम्नलिखित हैं जिसको ज्ञापन के रूप में सरपंच महोदय जी को सौंपा गया हैं और पिछड़ा वर्ग समाज के तमाम मंत्रीयों, राज्य एवं केंद्र पिछड़ा वर्ग आयोग, राज्यपाल, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री जी को प्रतिलिपि में दिया गया हैं ताकि यह मुद्दा संसद, विधानसभा में गूंजे और पिछड़ा वर्ग समाज को उसका संविधानिक हिस्सा,अधिकार मिल सके. 1. ओबीसी की जातिवार जनगणना का मुद्दाःकेन्द्र सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ह्वक्च्) की जाति आधारित जनगणना को जानबूझकर न कराना, सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ एक सोचा-समझा षड्यंत्र है। यह बहुजन समाज की वास्तविक संख्या और उनके अधिकारों को दबाने का एक प्रयास है। 2. पिछड़ा वर्ग का छत्तीसगढ़ में 50-55त्न जनसंख्या हैं लेकिन उनकी आरक्षण 13-14त्न हैं, जबकि केंद्र सरकार द्वारा मंडल कमीशन के आधार पर 27त्न आरक्षण लागू हैं और अन्य कई राज्य 27त्न आरक्षण लागू हैं तो छत्तीसगढ़ में क्यों नहीं . 3. सर्व पिछड़ा वर्ग को वर्तमान सरकार द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत, नगर निगम, नगर पालिका,चुनाव में 50त्न सीट आरक्षित किया था लेकिन अचानक वह बिल को वापस ले लिया गया यह सोचा समझा साजिश है . इस बिल को पुनः लागू किया जाए 4. पिछड़ा वर्ग के लिऐ सभी कॉलेजों में सरकारी हॉस्टल की व्यवस्था किया जाय ताकि गरीब, तबके के बच्चे को पैसा के परेशानी ना हो.5. सभी बड़े बड़े शिक्षा संस्थान जैसे -आईआईटी,एम्स ,नीट, सभी यूनिवर्सिटी, कॉलेजों में ओबीसी समाज के छात्र/छात्रों लिए सीट आरक्षित किया जाय.6. सभी न्यायालयों(जिला , उच्च, उच्चतम)में ओबीसी के लिए जजों के सीट आरक्षित किया जाय, 7. छतीसगढ़ के विधानसभा, लोकसभा, राज्यसभा सीटों में ओबीसी के सीट आरक्षित किया जाए .8. मंडल कमीशन(पिछड़ा वर्ग आयोग)की सिफारिशों का पूर्ण क्रियान्वयनः मंडल कमीशन ने सामाजिक न्याय को स्थापित करने हेतु जिन सिफारिशों को प्रस्तुत किया था, उनका पूर्ण रूप से लागू किया जाना समय की आवश्यकता है. 9. प्राइवेट सेक्टरो जैसे (प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों, प्राइवेट कम्पनियों, सरकारी कम्पनियों, गैर सरकारी कम्पनियों)में पिछड़ा वर्ग की आरक्षण की व्यवस्था किया जाय . 10. केंद्र सरकार द्वारा मंडल कमीशन आयोग के आधार पर पिछड़ा वर्ग 27त्न आरक्षण दिया गया हैं उसे छत्तीसगढ़ में पूर्ण रूप से लागू किया जाए 11. छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग के जितने भी बैक लॉक भर्ती हैं उसे पूरा किया जाए.12. (यूजीसी) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग 2026 के नए गाइडलाइन को पूर्ण रूप से लागू किया जाए. 13. केंद्र और राज्य सरकार के सचिवालय में पिछड़ा वर्ग के लिए सीट आरक्षित किया जाए. 14. सिविल सर्विस (क्क्तस्ष्ट,क्क्तस्ष्ट) सेवा में पिछड़ा वर्ग का सीट आरक्षण किया जाए.

वर्ड पावर चैंपियनशिप विजेता रोशन निषाद, पालक और कोच ने कलेक्टर से की भेंट

वर्ड पावर चैंपियनशिप पर शासकीय प्राथमिक खिचरी ने एक बार फिर किया कब्जा

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने अपने कार्यालय में वर्ड पावर चैंपियनशिप छत्तीसगढ़ 2026 विजेता रोशन निषाद, शिक्षिका एवं कोच सुनीता यादव को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रोशन निषाद की माता उत्तरा निषाद और पिता हीरालाल निषाद भी उपस्थित रहे। जिले के समग्र शिक्षा के सरकारी प्राथमिक स्कूल खिचरी का छात्र 530 बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए वर्ड पावर चैंपियनशिप छत्तीसगढ़ 2026 का विजेता चुना गया। मात्र 9 साल का रोशन निषाद तीस बत्तीस अक्षर के अंग्रेजी शब्दों को निडरता के साथ फर्राटे से पढ़ लेता है। वह विगत वर्ष भी विजेता 2 रहा। इनकी शिक्षिका एवं कोच सुनीता यादव बच्चों को अंग्रेजी में दक्ष करने एक्स्ट्रा क्लास लेकर प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करती है। विजेता छात्र रोशन निषाद ने जिला सारंगढ़ -बिलाईगढ़ का नाम रोशन किया है। समग्र शिक्षा खिचरी वर्ड पावर चैंपियनशिप का गढ़ माना जाता है।

प्रत्येक वर्ष यहां के बच्चे विजेता और उपविजेता का ट्राफी अपने नाम करते हैं। उल्लेखनीय है कि, राष्ट्रीय स्तर की संस्था लीप फारवर्ड मुंबई सरकारी प्राथमिक स्कूलों के बच्चों के अंग्रेजी साक्षरता हेतु कार्य कर रही है। इसमें पढ़ना, अर्थ और शब्दकोष प्रतियोगिता शासन के सहयोग से आयोजित करती है। सत्र के प्रारंभ में आनलाइन रजिस्ट्रेशन के पश्चात बच्चों को पाठ्य सामाग्री उपलब्ध कराकर आनलाइन सेशन लिया जाता है एंव संकुल स्तरीय प्रतियोगिता से शुरू होकर राज्यस्तरीय प्रतियोगिता राजधानी रायपुर में आयोजित किया जाता है और विजेता को राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता के लिए मुंबई में प्रदर्शन हेतु चयनित किया जाता है।

सामाजिक समरसता का संगम है होली - संजय भूषण पांडेय

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

होली भारतीय संस्कृति का जीवंत और रंगोत्सव का प्रमुख त्यौहार है। होली का त्यौहार प्रेम, एकता, भाईचारा सामाजिक समरसता का संगम है । जो जीवन में आपसी भेदभाव भुलाकर प्रेम, सद्भावना और न क्षमाशीलता का संदेश देता है। रंगों ने का पर्व होली हम सबके जीवन में उत्साह, ऊर्जा उमंग व सकारात्मक बदलाव के मार्ग को प्रशस्त करता है। उक्त बातें जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय अपने निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 09 में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में आम जनों और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने कहा कि रंगोत्सव पर्व सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक ताने बाने को मजबूत करता है।

होली आपसी मतभेदों को भुलाकर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि होली का त्यौहार प्रकृति और मानव संबंधों को जीवंत करता है। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने अपने निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 9 से होली मिलन समारोह में शामिल ग्रामीण बंधुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि रंग गुलाल का यह त्यौहार हम सबको आपस में प्रेम एकता, भाईचारा के साथ जीवन में निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने का संदेश देती है।

मैं जिले वासियों और निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए सबके सुख, समृद्धि भाईचारा और मंगलमय जीवन की कामना करता हूं।

जिला पंचायत सीईओ वासु जैन ने जनपद पंचायत जैजैपुर में विभिन्न निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य के दिए सख्त निर्देश

सक्ती/मूक पत्रिका

अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सक्ती श्वासु जैन द्वारा जनपद पंचायत जैजैपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। सीईओ द्वारा ग्राम पंचायत बरेकेलकला में नाली निर्माण कार्य एवं मुक्तिधाम निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत दर्राभांटा, गलगलाडीह, तुषार, बोडसरा, परसदा, गुंजियाबोड तथा पिसौद, ठठारी में नाली निर्माण कार्य, मुक्तिधाम निर्माण कार्य, पीडीएस गोदाम निर्माण कार्य, आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बन रहे आवास सहित अन्य विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों और हितग्राहियों को शीघ्रता से आवास कार्य पूर्ण कराने का निर्देश भी दिया गया। ग्राम पंचायत लालमाटी में नाली निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्वक निर्धारित समय सीमा के अंदर कराए जाने का निर्देश दिया गया तथा सीसी रोड कार्य गुणवत्ताहीन पाए जाने के कारण संबंधित उप अभियंता को कारण बताओ नोटिश जारी करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही महतारी वंदन योजना, पेंशन हितग्राही, राशन कार्डधारी इत्यादि हितग्राहियों से शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से मिल रहे लाभ के बारे में चर्चा कर आवश्यक जानकारी ली गई। सभी स्वीकृत कार्यों को गुणवत्तापूर्वक निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराए जाने के निर्देश भी दिए।निरीक्षण के दौरान सहायक परियोजना अधिकारी जिला पंचायत सक्ती बी.पी. साहू, तकनीकी सहायक जैन जाटवर व राकेश चंद्रा आदि उपस्थित रहे।

बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय हेतु दावा आपत्ति की अंतिम तिथि 10 मार्च

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

विकासखण्ड सारंगढ़ से 59, विकासखण्ड बिलाईगढ़ से 81 एवं विकासखण्ड बरमकेला से 35 तथा नगर पंचायत भटगांव से नियमानुसार विगत दो वर्षों से बाल विवाह का प्रकरण नहीं होने संबंधी दस्तावेज प्राप्त हुये हैं। अतः इन्हें बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय घोषित किया जा कर प्रमाण पत्र जारी करना है। इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्थान को किसी प्रकार की आपत्ति हो या कोई बाल विवाह का प्रकरण संज्ञान में हो तो वे अंतिम तिथि 10 मार्च 2026 को कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला- सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) एसबीआई बैंक के सामने पटेल विला रायगढ़ रोड में कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से 5:30 बजे तक लिखित में सुसंगत दस्तावेजों के साथ दावा प्रस्तुत कर सकते हैं।

सारंगढ़ के पुरुषोत्तम साहू को प्रदेश साहू संघ की कार्यकारिणी में स्थान

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ :- छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ द्वारा नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरज साहू द्वारा जारी मनोनयन सूची में प्रदेश के विभिन्न जिलों से समाज के सक्रिय और समर्पित लोगों को जिम्मेदारी दी गई है। इसी क्रम में सारंगढ़ के वरिष्ठ समाजसेवी पुरुषोत्तम साहू को प्रदेश साहू संघ की कार्यकारिणी में स्थान दिया गया है। उनके मनोनयन से सारंगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में साहू समाज के लोगों में खुशी की लहर है। बताया जाता है कि पुरुषोत्तम साहू लंबे समय से समाज सेवा और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। समाज के विभिन्न कार्यक्रमों, बैठकों एवं आयोजनों में उनकी सहभागिता उल्लेखनीय रही है। समाजजनों ने विश्वास जताया है कि उनके अनुभव और नेतृत्व से संगठन को और मजबूती मिलेगी। उनके मनोनयन पर समाज के अनेक लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने मनाया जल उत्सव पखवाड़ा

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सारंगढ़ के मंडी प्रांगण में महिला सशक्तिकरण को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की सामाजिक भागीदारी, उनके अधिकारों तथा समाज के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे, सारंगढ़ विधायक उत्तरी जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, सत्ताधारी राजनीतिक जिलाध्यक्ष ज्योति पटेल, पूर्व विधायक केराबाई मनहर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप एवं सहायक अभियंता बी एल खरे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी मुख्य अतिथियों ने बारी बारी से सभी का सम्बोधन किया। महिलाओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने और समाज के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। तत्पश्चात ग्राम पंचायत अमलीपाली 'ब' की महिला सरपंच रत्ना निरंजन पटेल, ग्राम पंचायत बटाऊपाली 'ब' की महिला सरपंच फूलबाई सिदार और ग्राम पंचायत बोइरडीह की महिला सरपंच दामेश्वरी साहू को सभी मुख्य अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनके अलावा स्वसहायता समूह, जल बहिनियों एवं समिति की महिला सदस्यों का भी प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों ने जल की बचत, वर्षा जल संचयन तथा पानी के समुचित उपयोग के प्रति सभी को जागरूक रहने का संदेश दिया, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सके। इसके सफल होने के लिए सभी से जल शपथ भी ग्रहण करवाया गया। इसके अतिरिक्त जिला समन्वयक खेमेश गबेल, आशीष गवेल, संतोष राठौर तथा केमिस्ट के पद पर कार्यरत दिनेश कुमार साहू की भी उपस्थिति रही।कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण के साथ- साथ पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का भी संदेश दिया गया।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार एकीकृत बाल विकास परियोजना बेरला अंतर्गत रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। वर्तमान में आंगनबाड़ी केन्द्र डंगनिया (ब), ग्राम पंचायत डंगनिया में 01 आंगनबाड़ी सहायिका का पद रिक्त है, जिस पर शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार भर्ती की जाएगी। इस पद के लिए इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया नवीन ई-भर्ती पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। अभ्यर्थी 10 मार्च 2026 से 24 मार्च 2026 तक निर्धारित पोर्टल https://aww.e-bharti.in/ पर जाकर आवश्यक दस्तावेजों सहित पंजीयन कर आवेदन कर सकती हैं। आवेदन की पूरी प्रक्रिया ई-भर्ती पोर्टल के यूज़र मैनुअल में उपलब्ध है। आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। इस पद के लिए वही महिलाएं आवेदन करने की पात्र होंगी जो संबंधित ग्राम पंचायत या वार्ड की स्थानीय निवासी हों, जिस वार्ड/ग्राम में आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए विज्ञापन जारी किया गया है।

ओवरलोडिंग और रफ्तार - डंपर नहीं, 'यमराज' के वाहन

TRN एनर्जी की राख ओवरलोडिंग और रफ्तार-डंपर नहीं, 'यमराज' के वाहन .. प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

रायगढ /मूक पत्रिका

जिले में सड़क सुरक्षा के सरकारी दावे सिर्फ कागजों और फाइलों तक सिमट कर रह गए हैं। घरघोड़ा क्षेत्र में ञ्जक्रहृ एनर्जी पावर लिमिटेड से निकलने वाला हजारों टन फ्लाई ऐश (राख) आज आम जनता के लिए काल बन चुका है। नियमों को ठेंगा दिखाकर सड़कों पर दौड़ते ओवरलोड डंपर न सिर्फ पर्यावरण को धुआं-धुआं कर रहे हैं, बल्कि राहगीरों की जिंदगी से भी सरेआम खिलवाड़ कर रहे हैं।

ओवरलोडिंग और रफ्तार - डंपर नहीं, 'यमराज' के वाहन-घरघोड़ा क्षेत्र की सड़कों पर ञ्जक्रहृ प्लांट से निकलने वाले डंपर क्षमता से कई गुना अधिक वजन लेकर 'फ र्राटे' भर रहे हैं। आलम यह है कि ओवरलोड होने के कारण ये डंपर सड़कों पर इस कदर लहराते हैं कि छोटे वाहन चालक और राहगीर अपनी जान बचाने के लिए किनारे खड़े होने को मजबूर हो जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये डंपर सड़क पर चलते हुए नहीं, बल्कि 'हिलोरे' मारते हुए मौत की तरह दिखाई देते हैं।

जहरीली धूल ने किया जीना हुआ मुहाल- सिर्फएक्सीडेंट का खतरा ही नहीं, बल्कि मुनाफे के लालच में इन डंपरों से गिरने वाली राख ने पूरे क्षेत्र को 'डस्ट ज़ोन' बना दिया है। उड़ती राख ने सीधे स्वस्थ पर हमला करते हुए लोगों की आंखों में जलन और सांस की बीमारियां बढ़ रही हैं। वही सड़कों पर जमी राख की परत के कारण दोपहिया वाहन चालक रोजाना गिरकर घायल हो रहे हैं। कंपनी प्रबंधन ने प्रशासन आँखों में धूल झोंकने के लिए खराब तिरपाल लगाकर परिवहन कर पर्यावरण नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

बड़ा सवालः आखिर कार्रवाई से क्यों कतरा रहे जिम्मेदार?-हैरानी की बात यह है कि घरघोड़ा क्षेत्र में मौत का यह नंगा नाच प्रशासन, पुलिस, परिवहन विभाग और पर्यावरण विभाग की नाक के नीचे चल रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की रहस्यमयी चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े करती है। क्या जिला प्रशासन किसी बड़े और भीषण सड़क हादसे का इंतजार कर रहा है? ?क्या उद्योगपतियों का रसूख नियमों से ऊपर हो गया है? या फिर प्रशासन इन जैसे उधगो के सामने बेबस हो गया है। ?बार-बार शिकायतों के बाद भी डंपरों की जब्ती और भारी जुर्माने की कार्रवाई क्यों नहीं हो रही ? TRN एनर्जी और डंपर संचालकों की जुगलबंदी ने घरघोड़ा की सड़कों को असुरक्षित बना दिया है। यदि समय रहते इन 'सफेद पाउडर' ढोने वाले डंपरों पर लगाम नहीं कसी गई, तो आने वाले समय में इसकी भारी कीमत आम जनता को अपनी जान देकर चुकानी पड़ेगी। अब देखना यह है कि प्रशासन अपनी 'कुंभकर्णी नींद' से कब जागता है।

संपादकीय

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होते ही बढ़ा वैश्विक खतरा

होर्मुज को एक सबसे महत्त्वपूर्ण समुद्री जलमार्ग माना जाता है, जहां से दुनिया भर में तेल और गैस आपूर्ति का करीब बीस से पच्चीस फीसद हिस्सा गुजरता है।इस बात की आशंका पहले से ही थी कि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का दायरा दूसरे क्षेत्रों में भी फैलेगा और इससे वैसे देश भी प्रभावित होंगे, जो इस जंग में भागीदार नहीं हैं। दोनों पक्षों के बीच घातक हथियारों के जरिए जारी हमले युद्ध के प्रत्यक्ष स्वरूप हैं, तो इसके समांतर अब ऐसे फैसले भी सामने आने लगे हैं, जो अगर लंबे समय तक टिके, तो इससे दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होगी।गौरतलब है कि अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी मिसाइलों के जरिए सैन्य हमलों का मोर्चा खोला हुआ है। मगर एक बड़े रणनीतिक फैसले के तहत उसने अपने प्रभाव क्षेत्र में आने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को जिस तरह बंद कर दिया है, अगर जल्द ही उसे खोलने के लिए ठोस प्रयास नहीं हुए, तो कई देशों के सामने ऊर्जा का संकट गहरा सकता है। होर्मुज को एक सबसे महत्त्वपूर्ण समुद्री जलमार्ग माना जाता है, जहां से दुनिया भर में तेल और गैस आपूर्ति का करीब बीस से पच्चीस फीसद हिस्सा गुजरता है।स्वाभाविक ही इस बात की आशंका अभी से जताई जाने लगी है कि अगर संकट गहराया, तो कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं और इसके बाद हवाई किराए, माल ढुलाई और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही केंद्रीय बैंकों के सामने मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में बदलाव करना एक मजबूरी की नीति बन सकती है। यानी होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के बाधित होने का व्यापक और बहुस्तरीय असर पड़ सकता है। फिलहाल ईरान ने इस रास्ते से सिर्फ चीन को आवाजाही की अनुमति दी है और कहा है कि अन्य देशों के जहाजों, खासतौर पर इजराइल और अमेरिका के समर्थक देशों के टैंकरों को रास्ता नहीं दिया जाएगा।अंदाजा लगाया जा सकता है कि तेल और ऊर्जा के लिए जिन देशों की होमुर्ज जलडमरूमध्य के रास्ते पर निर्भरता है, वहां ईरान के इस फैसले का क्या प्रभाव पड़ सकता है। निश्चित तौर पर भारत पर भी इसका गंभीर असर पड़ेगा और अभी से इसका हल खोजने की कोशिश शुरू हो गई है, लेकिन जिस रास्ते से भारत अपने चालीस फीसद तेल की आपूर्ति पूरी करता है, उसमें तुरंत इसका नया विकल्प निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी होगी।होर्मुज जलडमरूमध्य को एक संकरे समुद्री रास्ते से ज्यादा आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की 'धड़कती नस' और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्त्वपूर्ण माना जाता है।

होली के दिन पहले कच्चे बांस की खोखली नलियों से पिचकारी बनाई जाती थी। कोई-कोई ऐसा होता था, जिसके पास लोहे या पीतल की पिचकारी होती। अन्यथा ज्यादातर लोगों के पास बांस की पिचकारी होती, जिसका पंच किसी लकड़ी पर कपड़े लपेटकर बनाया जाता था। देसज बढ़ई इन पिचकारियों को तैयार करते थे। रहन-सहन में अब भी पारंपरिक देसज गंध से भरा है पूर्वांचल का इलाका। पूर्वांचल यानी पूर्वी उत्तर प्रदेश, उससे सटा बिहार और झारखंड का इलाका। भारतीय नक्शे में इस इलाके में मोटे तौर पर भोजपुरी बोली जाती है।

खो रहे होरी के पूर्वांचली रंग

(उमेश चतुर्वेदी)

यह इलाका पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, वाराणसी और आजमगढ़ मंडल के साथ ही बिहार के सारण मंडल के साथ ही मोतीहारी, चंपारण, आरा, बक्सर, सासाराम तक फैला हुआ है। वाराणसी और सासाराम से सटा हुआ है झारखंड का पलामू इलाका। यहां भी भोजपुरिया संस्कृति के रंग बिखरे हुए हैं। अब भी यहां के रहन-सहन, बोली-बानी में देसज भोजपुरिया मिठास भरी हुई है। लेकिन आधुनिक आर्थिकी के साथ यहां भी कुछ बदलाव आए हैं। शादी-विवाह, मुंडन-जनेऊ और अंतिम संस्कार में परंपराओं का पालन तो होता है, लेकिन उन पर बाजार का रंग अब पहले की तुलना में कहीं गहरे छा गया है। यही हाल यहां के पारंपरिक त्योहारों पर भी दिखने लगा है।

पूरे देश में होली, रंग और उल्लास का त्योहार है। बासंती बयार के बीच दस्तक देने वाले इस त्योहार के वक्त समूचा देश रंगों में डूबता रहा है। लेकिन महानगरीय असर में अब रंगों की चमक और उल्लास कहीं खोती हुई नजर आ रही है। हास्य और लास्य का भी त्योहार है होली, लेकिन अब पूर्वांचल में हास्य की जगह फूहड़ता ने ले ली है, लास्य की लय भी कहीं खो गई है। अब पूर्वांचल का शायद ही कोई गांव बचा हो, जहां पारंपरिक भोजपुरी रंग में फाग के राग सुनाई देते हों। कभी भंग के संग होली का रंग चढ़ता था, अब भांग की जगह आधुनिक अंगूर की बेटी ने ले ली है। चूंकि अंगूर की बेटी तक सबकी पहुंच नहीं, इसलिए सरकारी ठेके का पौव्वा आज की होली के उल्लास का सबसे बड़ा साथी नजर आ रहा है।

पूर्वांचल में होली को फगुआ भी कहा जाता है। भोजपुरिया इलाके में आज से तीन दशक पहले तक लोग परदेस में नौकरी कर रहे लोग 'होली' की छुट्टी पर नहीं, 'फगुआ' की छुट्टी पर आते थे। जैसे ही खेतों में फसलें गोटाने लगती थीं, यानी उनके दानों का दूध गाढ़ा होकर अन्न का रूप लेने लगता था, बहरवांसु यानी बाहर कमाने गए लोगों के इंतजार की घड़ियां गिनी जाने लगती थीं। जब परदेसी कमासुत यानी कमेरा घर लौटता, घर ही नहीं, पूरे मोहल्ले में हर्ष की लहर दौड़ जाती थी। होली पर नवेली भौजाइयों को रंगने के लिए घेरने के उपाय सोचे जाने लगते, वहीं नवोढ़ा भाभियां भी देवरों पर आक्रमण का इंतजार करने लगतीं। देवर जी थोड़े भी लापरवाह हुए नहीं कि छपाक..और पूरा बदन भाभी के हाथों की मिठास भरे रंगों से सराबोर..

पूर्वांचल में फगुआ का त्योहार महाशिवरात्रि के बाद से छिटफुट शुरू हो जाता था। किंचित अब भी होता है। लेकिन अब पहले जैसी गाढ़ी चाहत अब नहीं रही। हर उम्र की भाभियां अपने-अपने देवरों को रंगने की जुगत में जुट जाती थीं, इसके लिए वक्त की परवाह नहीं होती थी। रात का भोजन करते वक्त हर उम्र के देवर भौजाइयों के सबसे ज्यादा शिकार बनते थे..इसलिए उन दिनों कई लोग बेहद सावधानी बरतते थे..हालांकि सावधानी अक्सर हट जाती थी और रंग रूपी दुर्घटना का हमला हो जाता था।

होली के दिन पहले कच्चे बांस की खोखली नलियों से पिचकारी बनाई जाती थी। कोई-कोई ऐसा होता था, जिसके पास लोहे या पीतल की पिचकारी होती। अन्यथा ज्यादातर लोगों के पास बांस की पिचकारी होती, जिसका पंच किसी लकड़ी पर कपड़े लपेटकर बनाया जाता था। देसज बढ़ई इन पिचकारियों को तैयार करते थे। लेकिन अब ये पिचकारियां बीते दिनों की बात हो गई हैं। अब प्लास्टिक ने घर-घर जगह बना ली है।

पूर्वांचल में सवर्ण मोहल्लों की होली और दलित या मजदूर मोहल्लों की होली में किंचित अंतर होता था। दलित या मजदूर मोहल्ले से होली के मौसम में अच्छे-भले लोग गुजरने से परहेज करते थे। कारण यह कि कब ठाकुर साहब या पंडिजी की चमकती धोती पर गोबर या नाले का कीचड़ छपाक से आ गिरे, कोई

गारंटी नहीं। इसका बुरा कोई-कोई ही मानता था। आज ऊंच-नीच की बातें बहुत होती हैं। लेकिन तीन दशक पहले तक कम से कम होली में जमींदार हो या पुरोहित या बड़े ठाठ वाले ठाकुर साहब, दलित या कमेरी बस्तियों की ओर काम से भी गुजरने से परहेज करते थे, क्योंकि गोबर, कीचड़, कूड़ा कुछ भी उनके स्वागत में उन पर बरस सकता था। ज्यादातर ये हमले उन मोहल्लों की महिलाएं ही करतीं।

फगुआ के दिन पूर्वांचल में सुबह हर मोहल्ले में रंग-पानी की होली होती। हर दरवाजे पर झंड बनाकर पहुंचते, एक-दूसरे को रंग लगाते और पुए खाते हुए दूसरे दरवाजे का रूख करते। इस दौरान शौकीन लोगों को भंग की ठंडाई भी मिलती, हालांकि तब भी भांग खाने या उसकी ठंडाई पीने वालों की संख्या बहुत कम होती। दलित और कमेरा बस्तियों में रंग और पानी के साथ गोबर और कीचड़ भी जुड़ जाता। जिस समय दरवाजे के बाहर होली का रंग बरस रहा होता या कीचड़ की बौछार हो रही होती, उस समय घरों में अपने-अपने इष्ट देवताओं और कुल देवताओं की पूजा हो रही होती है। यह परंपरा अब भी बदस्तूर जारी है। इस पूजा में कहीं पुए तो कहीं आटे का पीठा चढ़ाया जाता है। ये पुए भी पूरी पवित्रता से तैयार किए गए गेहूं के आटे और गुड़ से बनाए जाते हैं। इन पुओं को देसी गाय के घी में ही तला जाता है। उसे ही देवताओं को भोग लगाया जाता है। पूजा के बाद घर की महिलाएं होली खेलती हैं। रिश्ते के देवरों को भी घरों में प्रवेश की इजाजत तभी मिलती है, जब उसकी रिश्ते की भाभी घर में हो।

दोपहर तक रंग और पानी का खेल चलता है। उसके बाद तालाब, नदी या ट्यूबवेल पर स्नान का त्योहार चलता है। स्नान के बाद पूर्वांचल के लोग अपने घरों को लौटते हैं और घर में बने पकवान का भोजन करते हैं। फगुआ पर पूर्वांचल में हर घर में पुए बनना जरूरी है। इसके साथ ही कटहल की सब्जी भी तकरीबन हर रसोई में बनती है। पूड़ी और चावल भी लोग बनाते खाते हैं। इसलिए इस दौरान पूर्वांचल के बाजारों में कटहल की कीमत और दिनों की तुलना में बहुत ज्यादा बढ़ जाती है।

फगुआ के दिन शाम को पूर्वांचल में नए कपड़े पहनने का चलन है। नए कपड़े पहन लड़कों का झुंड अबीर की पोटलियां लेकर निकल पड़ता है। इसकी शुरूआत घर के बड़े-बुजुर्गों के पैर पर अबीर रखकर प्रणाम करने से होती है। बराबरी के लोगों के चेहरे पर अबीर पोता जाता है। देवर-भौजाई के बीच भी कुछ इसी अंदाज में अबीर की सूखी होली खेली जाती है। इसी तरह नए कपड़े पहनकर लड़कियों का झुंड भी अबीर की पोटली के साथ पूरे गांव के लिए निकल पड़ती हैं। पूर्वांचल में गांव के लड़के-लड़कियों को भाई-बहन माना जाता है। चाहे वे किसी भी बिरादरी के हों, इसलिए उनके बीच देवर-भाभी जैसी होली खेलना समाज और परंपरा विरुद्ध माना जाता है। लड़कियां झुंड में घर-घर जाती हैं, अबीर लगाती हैं, इस दौरान लोगों को सूखे मेवे और गुझिया खिलाने का चलन है। यानी अवध में राम अपने भाइयों के साथ होली खेल रहे हैं। किसके हाथ में सोने की पिचकारी है और किसके हाथ में अबीर है। राम के हाथ में सोने की पिचकारी है और लक्ष्मण के हाथ में अबीर है। अवध में इस तरह भाइयों संग राम होली खेल रहे हैं। पूर्वांचल के पारंपरिक होरी गीतों में सौंदर्य छलक-छलक उठता है। इन गीतों में सौंदर्य के देसी उपमान रहे हैं, जैसे- गंगा जी आपका नाम ठीक ही सुरसरि है , सुर यानी देवताओं की नदी। आप सबको पार लगाती है, इस बार आप मेरी जीवन नैया को पार लगा दो। पहले के दौर में ढोल-मंजीरों के साथ हर दरवाजे पर गायकों की टीम पहुंचती थी, उनका पान, लौंग और अबीर से स्वागत होता था..इस दौरान कुछ गांवों में हर दरवाजे से कुछ पैसे भी लिए जाते थे। उन पैसों को इकट्ठा करके सामाजिक कार्य के लिए सार्वजनिक सामान खरीदे जाते थे, जिनका उपयोग शादी-विवाह, मुंडन-जनेऊ में किया जाता था। इस गायन की शुरूआत आम तौर पर गांव के डीह बाबा के स्थान से होती थी। पूर्वांचल में गांव का डीह बाबा गांव के कुल देवता को या गांव के रक्षक को कहा जाता है। वैसे इस गीत की शुरूआत बसंत पंचमी के दिन होती थी, जिसे ताल ठोकना कहा जाता है। होली की रात को जब तकरीबन पूरे गांव की यह गायक टोली परिक्रमा पूरी कर लेती तो आखिरी ताल ठोकने गांव के किसी प्रतिष्ठित मंदिर पर जाती और वहां होरी के भक्ति गीत गाने के बाद आखिरी गीत चैता गाया जाता था। वह मंदिर हनुमान जी का भी हो सकता है या शंकर जी का भी...हर गांव में ऐसी प्रतिष्ठा अलग-अलग मंदिरों की रही है। पूर्वांचल में कुछ खास जातियों के अपने होरी गीत रहे हैं। उनकी अपनी लय और ताल भी रही है। कहीं-कहीं यह परंपरा आज भी जिंदा है। जैसे धोबी समुदाय का अपना गीत है तो गोंड़ समुदाय का अपना। उनके अपने वाद्य भी हैं। धोबी समुदाय पखावज के साथ मजीरे की ताल पर गीत गाता रहा है तो गोंड़ समाज हुड़का और बड़े-बड़े मजीरे के ताल पर अपनी लय छेड़ता रहा है। एक प्रसिद्ध धोबी गीत अब भी याद आता है, जिसमें सौंदर्य के अनुपम देसज रूप दिखते हैं,

हर गायन दल अपने हिसाब से जोगीरा भी गाता रहा है। अब भी किंचित गाया जाता है। लेकिन सबका समापन किसी न किसी मंदिर पर ही होता है...और इसके साथ ही पूर्वांचल की होरी का त्योहार पूरा हो जाता था, अगले साल तक के लिए उसका इंतजार शुरू हो जाता था। पूर्वांचल के मूल निवासी वरिष्ठ पत्रकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संजू सैमसन होना आसान नहीं, सेमीफाइनल में पहुंचाकर दिया होली का तोहफा

(प्रियम सिन्हा)

भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जो जुझारू पारी खेली, वो दशकों तक याद रखी जाएगी। उन्होंने अकेले दम पर ओपनिंग से अंत तक नाबाद रहते हुए 50 गेंद पर 97 रन बनाए। संजू सैमसन एक ऐसा नाम जो इंटरनेशनल क्रिकेट में कभी-कभी सुनाई देता था। कभी-कभी इसलिए क्योंकि इस खिलाड़ी की जगह कभी भी भारतीय टीम में स्थाई नहीं रहती। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए बेहतरीन कप्तानी, टी20 फॉर्मेट में 8 हजार से ज्यादा रन, फिर भी भारतीय टीम के लिए मैदान से ज्यादा यह खिलाड़ी बेंच पर रहता है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले भी कुछ ऐसा ही था। संजू सैमसन का फॉर्म भी लगातार उनका साथ नहीं देता है। उनके क्लास, उनके बैटिंग स्टाइल और उनके टैलेंट पर किसी को कभी शक नहीं रहा, लेकिन उसको साबित करने में कई बार संजू की किस्मत ने धोखा दिया। ऐसा ही टी20 वर्ल्ड कप से पहले देखने को मिल रहा था। 2024 में पूरे टूर्नामेंट में यह खिलाड़ी बेंच पर ही था। इस बार भी हालात ऐसे ही बनते दिख रहे थे। वर्ल्ड कप से ठीक पहले उनकी ओपनिंग पोजीशन और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी इशान किशन को दे दी गई।

खत्म होती कहानी में आया नया मोड़: हर किसी का मानना था कि यह संजू की कहानी का अंत है।ज पर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। भगवान ने संजू के लिए जिंदगी का एक ऐसा खूबसूरत लम्हा संजो कर रखा था जिसकी भनक किसी को नहीं थी। बीच वर्ल्ड कप सुपर 8 के पहले मैच में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका से हारती है। फिर सवाल उठते हैं, आलोचना होती है। इसके बाद कोच और कप्तान कॉम्बिनेशन को खंगालते हैं और फिर संजू को आजमाते हैं। इस तरह एक बार फिर संजू की बतौर ओपनर वापसी होती है। पहले मैच में वह अच्छा स्टार्ट देते हैं और टीम को लंबे अरसे बाद अच्छी ओपनिंग पार्टनरशिप देखने को मिलती है। उसके बाद आता है वो मैच जो शायद संजू की खत्म होती कहानी का अब सबसे खूबसूरत चैप्टर बनकर याद किया जाएगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ ओपनिंग से अंत तक 50 गेंद पर 97 रन की पारी और अकेले दम पर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाने वाले चेट्टा ने साबित कर दिया कि क्यों उनकी इतनी फैन फॉलोइंग है। संजू सैमसन की बात करें तो यह खिलाड़ी सबसे दुर्भाग्यशाली खिलाड़ी है। संजू ने 2015 में अपना टी20 करियर शुरू किया था। उसके बाद से अभी तक 11 साल में वह सिर्फ 60 इंटरनेशनल मुकाबले ही टीम इंडिया के लिए खेले हैं। 52 पारियों में 1221 रन, 150 से ऊपर का स्ट्राइक रेट और तकरीबन 26 का औसत, यह बताता है कि इस खिलाड़ी में कितना दम है, लेकिन दबाव, प्लेइंग कॉम्बिनेशन इन सबके कारण कभी इस खिलाड़ी की टीम में जगह पक्की नहीं हो पाई।

संजू सैमसन ने हर बड़े मौके पर भारत के लिए उपयोगी पारियां खेलीं। एशिया कप फाइनल में टॉप ऑर्डर के फेल होने पर संजू ने ही तिलक के साथ पारी को संभाला था। साउथ अफ्रीका दौरे पर वनडे मैच में जब टीम डगमगाई थी तो संजू ने ही शतक लगाकर टीम को जिताया था। अब टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जब भारत फंसा था तो संजू आए, संजू चमके और संजू ने टीम इंडिया को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। इस पारी और पिछली कुछ पारियों में अंतर बस इतना था कि वहां संजू साइड हीरो थे लेकिन अब संजू लीड हीरो बनकर सामने आए हैं।

इतने दबाव, इतने प्रेशर, इतनी अस्थिरता के बीच सबसे अहम मैच में संजू सैमसन का जो मैच विनिंग परफॉर्मेंस आया है, यह दिखाता है कि वह कितने सरल, शांत स्वभाव के खिलाड़ी हैं। इसलिए हम भी कहते हैं कि संजू होना आसान नहीं है। इस खिलाड़ी ने विनिंग चौका लगाते ही मैदान पर बैठकर ईश्वर का शुक्रिया कहा, ड्रेसिंग रूम में जाकर अपनी किट और बैट को प्रणाम किया। यह दिखाता है कि इस खिलाड़ी के संस्कार क्या हैं। संजू ने बता दिया कि संजू होना आसान तो नहीं है लेकिन संजू जैसा होना सबके बस की बात भी नहीं है।

आधुनिक संदर्भों पिता-पुत्र संस्कृति को नया आयाम दे

(ललित गर्ग)

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जिन्होंने पुत्र धर्म को सर्वोच्च आदर्श के रूप में स्थापित किया। भगवान श्रीराम का जीवन इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। जब राजा दशरथ ने परिस्थितिवश उन्हें चौदह वर्ष का वनवास दिया, तब श्रीराम ने बिना किसी विरोध, बिना किसी आक्रोश के पिता की आज्ञा को धर्म मानकर स्वीकार किया। राष्ट्रीय पुत्र दिवस, जो प्रतिवर्ष 4 मार्च को मनाया जाता है, केवल एक पिता-पुत्र संस्कृति को जीवंतता देने का ही उत्सव नहीं है, बल्कि भारतीय परिवार व्यवस्था की आत्मा को स्पर्श करने वाला अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि पुत्र केवल परिवार की वंश परंपरा का वाहक नहीं, बल्कि संस्कारों, उत्तरदायित्वों और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतिनिधि है।

आधुनिक समय में जब संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद कम हो रहा है और विशेष रूप से पिता और पुत्र के बीच मानसिक दूरी बढ़ती जा रही है, तब यह दिवस एक गहन आत्ममंथन का अवसर बन जाता है। भारतीय चिंतन में पुत्र का अर्थ केवल जन्म से जुड़ा नहीं है। शास्त्रों में कहा गया है-पुंनाम्नो नरकाद् यः त्रायते सः पुत्रः अर्थात जो कुल और संस्कृति को पतन से बचाए वही सच्चा पुत्र है। इस परिभाषा में पुत्र को एक उत्तरदायी व्यक्तित्व के रूप में देखा गया है, जो अपने आचरण से परिवार की मर्यादा और मूल्यों की रक्षा करता है। हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जिन्होंने पुत्र धर्म को सर्वोच्च आदर्श के रूप में स्थापित किया। भगवान श्रीराम का जीवन इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। जब राजा दशरथ ने परिस्थितिवश उन्हें चौदह वर्ष का वनवास दिया, तब श्रीराम ने बिना किसी विरोध, बिना किसी आक्रोश के पिता की आज्ञा को धर्म मानकर स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि परिवार और वचन की मर्यादा को सर्वोपरि रखने का संदेश था। श्रीराम ने यह सिद्ध किया कि अधिकारों से पहले कर्तव्य आते हैं और व्यक्तिगत सुख से ऊपर परिवार की प्रतिष्ठा होती है। आज का युग अधिकारों की चर्चा करता है, परंतु कर्तव्यों का स्मरण कम होता है। यही कारण है कि पिता-पुत्र संबंधों में संवाद का अभाव दिखाई देता है। पिता अक्सर अपने उत्तरदायित्वों की दौड़ में व्यस्त है और पुत्र प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के दबाव में उलझा हुआ है। दोनों के बीच भावनाओं का पुल कमजोर होता जा रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय पुत्र दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम इस दूरी को कम करें। पुत्र को केवल आर्थिक साधन या भौतिक सुविधाएँ नहीं चाहिए, उसे चाहिए समय, स्नेह और समझ। जब पिता अपने पुत्र के साथ बैठकर उसके सपनों, उसके डर, उसकी असफलताओं और उसकी आकांक्षाओं पर खुलकर बात करता है, तब संबंधों में विश्वास का संचार होता है। यही विश्वास भविष्य की मजबूत नींव बनता है।

आधुनिक संदर्भ में पुत्र के सामने चुनौतियाँ भी नई हैं। करियर की अनिश्चितता, सोशल मीडिया का प्रभाव, मानसिक तनाव और मूल्य भ्रम उसे अक्सर द्वंद्व में डाल देते हैं। समाज ने लड़कों से अपेक्षा की है कि वे कठोर बनें, अपनी भावनाएँ न प्रकट करें, हर परिस्थिति में

मजबूत दिखें। परिणामस्वरूप कई बार वे भीतर से अकेले और दबावग्रस्त हो जाते हैं। राष्ट्रीय पुत्र दिवस इस मानसिक स्वास्थ्य के विषय को भी छूता है। यह माता-पिता को प्रेरित करता है कि वे अपने पुत्र से पूछें-तुम सच में कैसा महसूस कर रहे हो? यह एक साधारण प्रश्न नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की शुरुआत है। जब पुत्र को यह अनुभव होता है कि वह सुना जा रहा है, समझा जा रहा है, तब उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। भारतीय संस्कृति में पिता केवल अनुशासन का प्रतीक नहीं, बल्कि आदर्श का आधार रहा है। पुत्र वही सीखता है जो वह अपने पिता के आचरण में देखता है। यदि पिता सत्यनिष्ठ है, तो पुत्र में भी सत्य के प्रति सम्मान विकसित होगा। यदि पिता संयमी और धैर्यवान है, तो पुत्र भी वही गुण आत्मसात करेगा। इसलिए पिता की भूमिका केवल निर्देश देने की नहीं, बल्कि उदाहरण प्रस्तुत करने की है। श्रीराम ने केवल दशरथ की आज्ञा का पालन नहीं किया, बल्कि रघुकुल की उस परंपरा को जीवित रखा जिसमें वचन और मर्यादा सर्वोपरि मानी जाती थी। यह परंपरा केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता है।

भारतीय लोक-स्मृति में श्रवण कुमार पुत्र धर्म के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने अपने नेत्रहीन माता-पिता को कंधों पर बिठाकर तीर्थयात्रा कराते हुए यह सिद्ध किया कि सेवा केवल कर्तव्य नहीं, प्रेम का उत्कर्ष है। आधुनिक युग में यद्यपि परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जीवन की गति तेज हो गई है और करियर की चुनौतियाँ अधिक जटिल हो गई हैं, फिर भी श्रवण का आदर्श अप्रासंगिक नहीं हुआ; बल्कि वह और अधिक आवश्यक हो गया है। आज के पुत्र का दायित्व है कि वह माता-पिता के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा रहे, उनसे संवाद बनाए रखे और उनकी आवश्यकताओं को समझे। सेवा का अर्थ अब केवल शारीरिक श्रम नहीं, बल्कि समय देना, उनकी बात सुनना, उनके एकाकीपन को समझना और उनके आत्मसम्मान की रक्षा करना है। भौतिक आकांक्षाओं की अंधी दौड़ में यदि माता-पिता उपेक्षित हो जाएँ, तो सफलता खोखली हो जाती है। त्याग का अर्थ यह नहीं कि करियर छोड़ दिया जाए, बल्कि यह है कि प्राथमिकताओं में परिवार को स्थान दिया जाए-व्यस्त दिनचर्या में भी नियमित संवाद, स्वास्थ्य का ध्यान, आवश्यक सहयोग और निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। आधुनिक पुत्र अपने पेशेवर जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भी पारिवारिक जिम्मेदारियों का संतुलित निर्वाह कर सकता है, यदि वह अपने भीतर यह भाव जागृत रखे कि माता-पिता उसके अस्तित्व की जड़ हैं। जब करियर और कर्तव्य के बीच संतुलन स्थापित होता है, तब श्रवण की सेवा-भावना आधुनिक जीवन में जीवंत हो उठती है और पुत्र धर्म केवल कथा नहीं, व्यवहार बन जाता है।

आधुनिक स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह परिवार से विमुख हो जाए। सच्ची स्वतंत्रता वही है जिसमें व्यक्ति अपनी जड़ों से जुड़ा रहे और अपने मूल्यों का सम्मान करे। पुत्र यदि अपने करियर में सफल होता है परंतु परिवार से दूर हो जाता है, तो वह सफलता अधूरी रह जाती है। परिवार की शक्ति केवल आर्थिक समृद्धि में नहीं, बल्कि भावनात्मक एकता में है। जब पुत्र अपने माता-पिता के त्याग और संघर्ष को समझता है, उनका सम्मान करता है और वृद्धावस्था में उनका सहारा बनता है, तब वह पुत्र धर्म का वास्तविक निर्वाह करता है। पुत्र केवल परिवार की आशा नहीं, राष्ट्र की संभावना भी है। इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने अपने कर्तव्यों को पहचाना, तब-तब समाज में परिवर्तन आया। आज आवश्यकता है कि पुत्र संस्कृति को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा जाए। एक संस्कारवान पुत्र ही आदर्श नागरिक बन सकता है। यदि परिवार में सत्य, सेवा और संयम के मूल्य विकसित होंगे, तो वही मूल्य समाज में भी प्रसारित होंगे। इस प्रकार पुत्र का निर्माण केवल निजी विषय नहीं, सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। आज जब वैश्वीकरण और भौतिकता का प्रभाव बढ़ रहा है, तब परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन आवश्यक है। पुत्र को आधुनिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और वैश्विक दृष्टि मिलनी चाहिए, परंतु उसके भीतर भारतीयता की जड़ें भी गहरी हों। यदि वह विज्ञान में आगे बढ़े परंतु संस्कृति से कट जाए, तो विकास अधूरा रहेगा। यदि वह परंपरा में बंधा रहे और नवीनता को अस्वीकार करे, तो प्रगति रुक जाएगी। इसलिए संतुलन ही समाधान है। यही संतुलन पुत्र संस्कृति को नया आयाम दे सकता है। राष्ट्रीय पुत्र दिवस को संवाद और संकल्प का दिवस बनाएं। जब पिता का अनुभव और पुत्र का उत्साह मिलते हैं, तब परिवार सशक्त होता है। सशक्त परिवार ही सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। हम अपने पुत्रों को केवल सफल नहीं, सार्थक बनाएं। उन्हें केवल ऊँचाई न दें, गहराई भी दें, केवल स्वतंत्रता न दें, उत्तरदायित्व भी दें, केवल संसाधन न दें, संस्कार भी दें। यदि हम श्रीराम की मर्यादा, श्रवण की सेवा भावना और आधुनिक युग की वैज्ञानिक दृष्टि को एक सूत्र में पिरो दें, तो ऐसा पुत्र तैयार होगा जो परंपरा का रक्षक और भविष्य का निर्माता दोनों होगा। यही पुत्र संस्कृति का नवोदय है, यही भारतीय परिवार व्यवस्था की शक्ति है और यही राष्ट्रीय पुत्र दिवस का सच्चा संदेश है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

सीआरपीएफ स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर, 52 यूनिट रक्त संग्रह, रेडक्रॉस के साथ मिलकर जवानों ने किया रक्तदान

बीजापुर/मूक पत्रिका

सीआरपीएफ स्थापना दिवस के मौके पर बीजापुर में सेवा और मानवता की मिसाल देखने को मिली। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के बैनर तले सीआरपीएफ की 170 बटालियन में रक्तदान शिविर लगाया गया। कलेक्टर सह अध्यक्ष रेडक्रॉस सोसायटी के निर्देश और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी के मार्गदर्शन में यह आयोजन किया गया। शिविर में सीआरपीएफ के जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उत्साह के साथ रक्तदान किया। पूरे शिविर में कुल 52 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। यह रक्त अस्पतालों में भर्ती जरूरतमंद मरीजों के काम आएगा। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा दान है जिससे किसी की जान बच सकती है। इसलिए समाज के लोगों को भी समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। सीआरपीएफ स्थापना दिवस पर आयोजित यह शिविर सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देने वाला रहा। अधिकारियों ने भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के प्रयासों की भी सराहना की। उनका कहना था कि ऐसे शिविरों से लोगों में जागरूकता बढ़ती है और अधिक लोग रक्तदान के लिए प्रेरित होते हैं। बीजापुर में आयोजित यह शिविर कई मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होगा।

मामला अब स्टेट लेवल पर: महीनों से डबल रैपर बियर का स्टॉक, किसकी शह पर बिक्री, जांच शुरू

प्रीमियम शराब दुकान पर बिकी दो ब्रांड वाली बियर, वीडियो वायरल

जिम्मेदार अधिकारी ही सवालों के घेरे में, सेल्समैन को नोटिस जारी

राजनांदगांव/मूक पत्रिका

शहर के आम्बेडकर चौक स्थित प्रीमियम वाइन शॉप में डबल रैपर वाली बियर बिक्री का मामला अब तूल पकड़ चुका है। वहीं इसमें अब कई परतें खुलने लगी है। आला अफसर इस पर जांच होने की बात कर रहे हैं। लेकिन विभागीय सूत्रों की मानें तो ब्रांड छिपाकर बियर बेचने का मामला दो से तीन महीने पुराना है, प्रदेश स्तर के आबकारी अधिकारी ने इसे नष्ट करने के आदेश भी दिए थे। लेकिन इसके बाद भी एक के उपर दूसरे ब्रांड का रैपर लगाकर बेचना किसकी शह पर किया जा रहा था, यह बड़ा सवाल है।

सरकारी शराब दुकान में इस तरह गड़बड़ी कर बियरे बेचने का खुलासा होने के बाद आबकारी महकमा ही कटघरे में आ गया है। क्योंकि इसमें बड़ा सवाल यह है कि आखिर एक ब्रांड को छिपाकर दूसरे ब्रांड का रैपर लगाकर उसे बेचने की आवश्यकता ही क्या थी। यहीं आबकारी विभाग के अफसरों के लिए बड़ा सवाल है। इसके बाद यह भी बात जांच का विषय बन गई है कि आखिर राजनांदगांव की एक प्रीमियम शॉप पर यह बियर बेची गई या इसका स्टॉक दूसरी शराब दुकानों में भी रखा गया है। **यह मामला पूरे छग में चर्चा का विषय, वीडियो वायरल**-रविवार को देर शाम कुछ ग्राहक प्रीमियम शॉप बियर लेने पहुंचे। बियर की केन खरीदने के बाद डबल रैपर का मामला सामने आया। इसका पूरा वीडियो बनाया गया, यह सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ। इसके बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने भी इस मामले पर बयान दिया और प्रदेश सरकार को घेरा।

जांच के बाद जिम्मेदारी तय होना जरूरी-आबकारी अधिकारी के अफसरों की मानें तो मामले की जांच शुरू हो गई है। इसमें वाइन शॉप के सेल्समैन को नोटिस दिया गया है। लेकिन यह केवल एक कर्मचारी का मामला नहीं है। इसमें जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। ताकि किस आधार पर मनाही के बाद भी बियर बेची गई, यह साफ हो सके। अधिकारियों का कहना है कि जांच में सारी चीजें स्पष्ट होंगी।

जशपुर से सरपंचों का अध्ययन भ्रमण दल धमतरी एवं दुर्ग जिले के लिए रवाना

संचालित विकास कार्यों, नवाचारों और उत्कृष्ट पहल का करेंगे अवलोकन

- जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

सफल ग्राम पंचायतों के कार्यों, नवाचारों तथा विकास गतिविधियों का अध्ययन करने के उद्देश्य से जशपुर जिले से सरपंचों का एक अध्ययन भ्रमण दल 09 मार्च से 12 मार्च तक धमतरी एवं दुर्ग जिले के ग्राम पंचायतों के भ्रमण के लिए आज रवाना हुए। इस दल में कुल 40 प्रतिभागी सरपंच शामिल हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय ने अध्ययन भ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण से सरपंचों को अन्य ग्राम पंचायतों में किए जा रहे नवाचारों, विकास कार्यों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त होती है, जिससे वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में भी बेहतर योजनाएं लागू कर सकते हैं। अध्ययन भ्रमण के दौरान सरपंचों का दल धमतरी जिले के सांकरा तथा दुर्ग जिले के पतोरा ग्राम पंचायत का भ्रमण करेगा। यहां वे संचालित विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों, नवाचारों और उत्कृष्ट पहल का अवलोकन करेंगे। इस अध्ययन के माध्यम से प्राप्त अनुभवों का उपयोग सरपंच अपने ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं सु व्यवस्थित ढंग से संचालित करने में करेंगे।

महिला दिवस पर कन्नौजिया क्षत्रिय समाज का सराहनीय आयोजन, 150 से अधिक महिलाओं का हुआ सम्मान

मुंगेली/मूक पत्रिका

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ कन्नौजिया क्षत्रिय समाज द्वारा स्वर्गीय रामा देवी बघेल की पुण्य स्मृति में नारी सशक्तिकरण सम्मान कार्यक्रम का आयोजन क्षत्रिय समाज मंगल भवन, मुंगेली में किया गया। इस अवसर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, उद्यानिकी, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत समाज की 150 से अधिक महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बिलासपुर, रायपुर, कवर्धा, बेमेतरा और मुंगेली जिले से समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य समाज की प्रतिभाशाली और कर्मठ महिलाओं को प्रोत्साहित करना तथा उनके योगदान को सम्मान देना था। मुख्य अतिथि जनपद पंचायत लोरमी की अध्यक्ष वर्षा विक्रम सिंह ने

आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि नारी केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की आधारशिला होती है। क्षत्राणी सदैव से संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों की रक्षक रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. दिनेश नंदनी सिंह ने कहा कि आज की सशक्त नारी ही भविष्य के समृद्ध और मजबूत राष्ट्र की नींव है। वहीं नगर पालिका सीएमओ होरी सिंह ठाकुर ने कहा कि समाज की महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा से समाज का नाम रोशन कर रही हैं और यह आयोजन आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगा। न्यूज 24 मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ और लल्लूराम डॉट कॉम के एडिटर-इन-चीफ मनोज सिंह बघेल ने कहा कि आज हमारे समाज की महिला हर क्षेत्र में आगे है, यदि महिलाओं को अवसर, कौशल और आत्मविश्वास मिल जाए तो वे किसी भी क्षेत्र में बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकती हैं। समाज के अध्यक्ष आनंद वल्लभ सिंह ने नारी सशक्तिकरण सम्मान से सम्मानित सभी महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि हाल ही में सीडीएस परीक्षा क्रेक कर पूरे देश में चैथा स्थान हासिल कर समाज की बेटी सुप्रिया सिंह ने लेफ्टिनेंट बनकर समाज का गौरव बढ़ाया है, जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। इस अवसर पर संरक्षक शंकर सिंह परिहार, जनपद अध्यक्ष रामकमल सिंह, सनत सिंह, पूर्व अध्यक्ष गजानंद सिंह, महेंद्र सिंह, महिला अध्यक्ष सुकन्या सिंह, मालिका सिंह, सुधा सिंह, पुष्पांजलि सिंह, गरिमा सिंह और कात्यायनी सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कवि देवेंद्र परिहार ने मातृशक्ति पर ओजपूर्ण कविता पाठ कर सभी को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन रामपाल सिंह और जान्हवी सिंह ने किया। आयोजन को सफल बनाने में कन्या सिंह, विनिया सिंह, साधना सिंह, रश्मि सिंह, राजरानी सिंह, कल्पना सिंह, सचिव विश्वराज सिंह, चित्रकांत सिंह, देवेंद्र सिंह, संदीप सिंह, दिलबाग सिंह, श्रीओम सिंह, मारुत सिंह, अमरनाथ सिंह सहित अनेक लोगों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर समाज के महिला एवं पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समूह की ताकत से उषा श्रीवास बनीं 'लखपति दीदी'

मोहभट्टा की धनेश्वरी को मिला आजीविका का मजबूत आधार

मुंगेली/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में प्रदेशभर से आई महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानियां साझा कीं। इस कार्यक्रम में मुंगेली जिले की महिलाओं ने भी अपनी सफलता की कहानी सुनाकर सबको प्रेरित किया। विकासखंड पथरिया के चंदखुरी स्थित जय माँ शीतला स्वयं सहायता समूह की सदस्य उषा श्रीवास ने बताया कि समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने छोटे स्तर से आजीविका गतिविधि शुरू की। समूह के सहयोग, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता के बल पर उन्होंने अपने काम को आगे बढ़ाया और आज आर्थिक रूप से सशक्त बनकर 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान बनाई है। इसी तरह ग्राम पंचायत मोहभट्टा की धनेश्वरी साव ने भी अपनी प्रेरक यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आजीविका का मजबूत आधार मिला। लगातार मेहनत और समूह के सहयोग से उन्होंने अपनी आय बढ़ाई और आज वे अपने परिवार के साथ-साथ अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई लखपति दीदियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सामूहिक प्रयास, प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं के सहयोग से महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं।

जिला अस्पताल में जांच व दवाओं की उपलब्धता जारी: सिविल सर्जन

हमर लैब संचालन के संबंध में वस्तुस्थिति किया स्पष्ट

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला अस्पताल जशपुर ने हमर लैब में जांच बंद संबंधित शिकायत पर वस्तुस्थिति स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में जांच और दवाओं की उपलब्धता नियमित रूप से सुनिश्चित की जा रही है। सिविल सर्जन ने बताया कि हमर लैब में जांच संबंधी केमिकल (रिऐजेंट) छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (सीजीएमएससी) द्वारा उपलब्ध करा दिए गए हैं, जिसके बाद जांचों की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि सीजीएमएससी द्वारा बायोकेमिस्ट्री जांच हेतु आवश्यक रिऐजेंट उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे लैब में सभी आवश्यक जांचें क्रमशः संचालित की जा रही हैं। आपातकालीन वार्ड में दवाओं की कमी संबंधी शिकायत के संबंध में उन्होंने बताया कि ऐसी

किसी भी परिस्थिति में अस्पताल मद तथा आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। फरवरी 2026 में सीजीएमएससी द्वारा दवाइयों की आपूर्ति भी कर दी गई है, जिससे मरीजों को उपचार में किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। सोनोग्राफी सुविधा के संबंध में सिविल सर्जन ने बताया कि जिला अस्पताल में पदस्थ रेडियोलॉजिस्ट के आकस्मिक गंभीर दुर्घटना के कारण चिकित्सा अवकाश पर होने से यह सुविधा अस्थायी रूप से प्रभावित हुई है। चिकित्सक के कार्यस्थल पर पुनः उपस्थित होने के बाद सोनोग्राफी की सेवा नियमित रूप से प्रारंभ कर दी जाएगी। सिविल सर्जन ने यह भी बताया कि सांस संबंधी रोगियों के लिए डेरीफिलीन तथा ब्रेन स्ट्रोक के उपचार में प्रयुक्त इंजेक्शन वर्तमान में सीजीएमएससी द्वारा उपलब्ध करा दिए गए हैं और मरीजों को उनका लाभ दिया जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर आयुष्मान कार्ड एवं अस्पताल मद से भी दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला अस्पताल में ईएसआर, एचबी1सी तथा लिपिड प्रोफाइल जैसी जांच सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध हैं और मरीजों को इनका लाभ मिल रहा है। सिविल सर्जन ने कहा कि जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर मती रश्मि तिर्की बनीं 'लखपति दीदी', स्वरोजगार से सशक्त हो रही ग्रामीण महिलाएं

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की महिलाएं विभिन्न शासकीय योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर अग्रसर हो रही हैं। राज्य शासन की महत्वाकां योजना छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड की ग्राम दुलदुला निवासी मती रश्मि तिर्की भी आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई हैं। मती रश्मि तिर्की दुर्गा महिला स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि अपने

आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान को भी नई दिशा दी है। आज वे अपने गांव में 'लखपति दीदी' के रूप में जानी जाती हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। मती तिर्की बताती हैं कि पहले वे घर-गृहस्थी के कामकाज तक ही सीमित थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य होने के कारण घर की जरूरतों को पूरा करना कठिन हो जाता था। इसी दौरान उन्होंने महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बचत, ऋण सुविधा और स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी मिली। समूह की अन्य महिलाओं को अलग-अलग आजीविका गतिविधियों से जुड़कर आय अर्जित करते देख उन्हें भी कुछ नया करने की प्रेरणा मिली। वर्ष 2025 के जुलाई माह में उन्होंने मुद्रा योजना के तहत 70 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग करते हुए उन्होंने अपने गांव में एक फास्ट फूड सेंटर की शुरुआत की। शुरुआत में छोटे स्तर से शुरू किया गया यह व्यवसाय धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा। वर्तमान में उनके फास्ट फूड सेंटर से प्रतिमाह लगभग 25 से 30 हजार रुपये तक की बिक्री हो जाती है। इस आय से मती रश्मि तिर्की अपने परिवार का भरण-पोषण करने के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई-लिखाई भी बेहतर तरीके से कर पा रही हैं। उनका कहना है कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा है। आज वे स्वयं अपने पैरों पर खड़ी हैं और अपने परिवार के लिए मजबूत सहारा बनी हुई हैं।

'डिजिटल इंडिया से सशक्त हो रही हैं नारी' – डॉ. प्रिया राव

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित

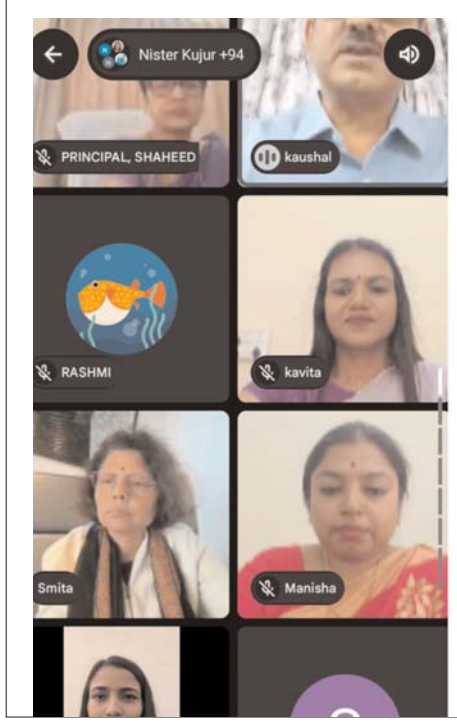

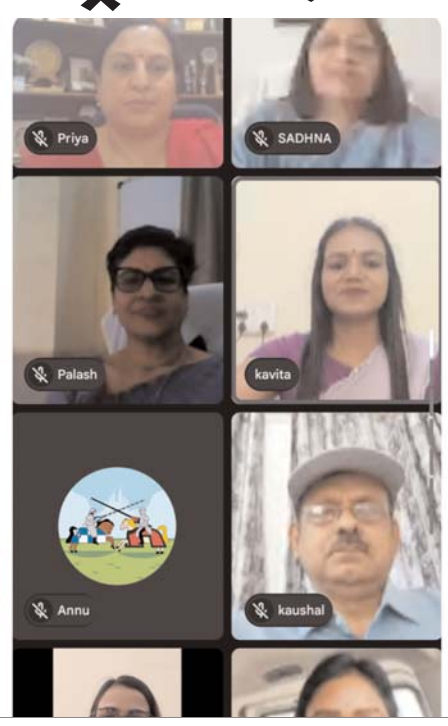

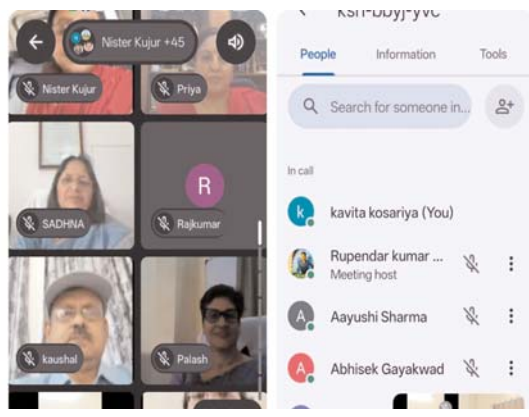

महिला सशक्तिकरण के लिए वुमेन एंड चाइल्ड हेल्थकेयर प्रोग्राम जरूरी– डॉ. स्मिता मिश्रा

नारी सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास अभी भी अधूरे – डॉ. साधना खरे

रायपुर/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय, बीरगांव एवं शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय, धरसींवा के संयुक्त तत्वावधान में आभासी पटल (ऑनलाइन) पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ बीरगांव महाविद्यालय की प्राचार्य एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. प्रीति शर्मा के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं धरसींवा महाविद्यालय के प्राचार्य श्री कौशल किशोर ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विशेषज्ञों ने महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। डॉ. स्मिता मिश्रा (एच.ओ.डी., पेडीयेट्रिक कार्डियोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल, दिल्ली) ने ÷वुमन एंड चाइल्डः ए न्यू फ्रंटियर ऑफ ग्लोबल हेल्थकेयर÷ विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि महिला एवं बाल स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रम समाज में सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकते हैं। डॉ. साधना खरे (प्राचार्य, स्व. प्यारेलाल कंवर शासकीय महाविद्यालय, भैसमा, कोरबा) ने ÷नारी चेतना एवं सशक्तिकरण÷ विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनेक प्रयास हुए हैं, लेकिन अभी भी इस क्षेत्र में बहुत काम किया जाना बाकी है। वहीं डॉ. प्रिया राव (एसोसिएट प्रोफेसर, लॉ विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर) ने ÷लैंगिक समानता एवं डिजिटल सशक्तिकरण÷ विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल इंडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण महिलाएँ अब अधिक सशक्त हो रही हैं और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ. कविता कोसिरिया ने किया, जबकि कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक डॉ. रश्मि कुजूर ने प्रस्तुत किया। आयोजन समिति में सुश्री सोनम बंसोड़, डॉ. मनीषा बोस, श्रीमती अन्नपूर्णा बंजारे एवं सुश्री नेहा वर्मा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के तकनीकी संचालन में रूपेंद्र कुमार एवं कार्तिक साहू ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्राध्यापकगण, महाविद्यालयीन स्टॉफ तथा सौ से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय अब अपनी भाषा में यात्रा की खोज करने लगे हैं: मेकमायट्रिप

गुरुग्राम। भारत की प्रमुख ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी मेकमायट्रिप ने आज अपने जेन-एआई आधारित ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट से मिले कुछ शुरुआती रुझान साझा किए हैं। ये संकेत देते हैं कि भारतीय यात्री अब वॉइस के माध्यम से किस तरह से इंटरैक्ट करना शुरू कर रहे हैं और इसमें एक नया व्यवहारिक रुझान उभर रहा है। मायरा का यूज़र बेस अभी बढ़ रहा है और इस पर रोज़ाना 50,000 से अधिक बातचीत हो रही है, लेकिन शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि वॉइस सर्च लोगों को अपनी बात ज़्यादा खुलकर, संदर्भ के साथ और अपनी पसंदीदा भाषा में रखने का मौका दे रहा है। यह तरीका टेक्स्ट के ज़रिए सर्च करने के पारंपरिक तरीके से काफी अलग और स्वाभाविक है। वॉइस और टेक्स्ट सर्च के बीच बढ़ता अंतर इस्तेमाल के शुरुआती पैटर्न में ही यह साफ दिखने लगा है कि लोग टाइप करते समय और बोलकर अपनी बात रखते समय अलग तरह का व्यवहार करते हैं। ज़्यादातर टेक्स्ट सर्च आमतौर पर 3-4 शब्दों के छोटे, संक्षिप्त और सीधे कीवर्ड वाले होते हैं, जैसे गोवा होटल्स चीप या दिल्ली मुंबई फ्लाइट। वहीं, वॉइस सर्च का तरीका काफी अलग नज़र आ रहा है। लगभग 23 प्रतिशत वॉइस क्वेरी 11 शब्दों से ज़्यादा लंबी होती हैं, जबकि टेक्स्ट सर्च में ऐसा केवल 7 प्रतिशत मामलों में होता है। बोलते समय लोग स्वाभाविक रूप से एक ही वाक्य में कई चीज़ें बता देते हैं—जैसे जगह की लोकेशन, होटल की सुविधाएँ, बजट, साथ में कितने लोग हैं और यात्रा की तारीखें। उदाहरण के तौर पर लोग इस तरह पूछ रहे हैं: नार्थ गोवा में बीच के पास पूल वाला किफायती होटल दिखाइए या 2 वयस्क और एक बच्चा, 14 जनवरी से 3 रात, बजट 15,000 रुपये प्रति रात से कम। कई सर्च श्रेणियों में शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि वॉइस का इस्तेमाल टेक्स्ट के मुकाबले काफी ज़्यादा हो रहा है। तारीखों से जुड़ी सर्च में यह अंतर सबसे ज़्यादा है, जो वॉइस पर टेक्स्ट की तुलना में 3.3 गुना अधिक है। लोग टाइप करते समय तारीखों को बहुत छोटा और संक्षिप्त (जैसे 26-29 दिसंबर) लिखते हैं, जबकि बोलते समय वे स्वाभाविक तरीके से कहते हैं— 26 दिसंबर से 29 दिसंबर तक या अगले शुक्रवार से रविवार तक।

सैमसंग ने गैलेक्सी एम 17ई 5G पेश किया, भारत के युवा यूजर्स के लिए एक ऑल-इन-वन स्मार्टफोन

गुरुग्राम — सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज अपने गैलेक्सी M17e 5G की सारी खूबियों की जानकारी दी है। यह फोन 17 मार्च को लॉन्च किया जाएगा। तेजी से बदलती डिजिटल जीवनशैली में युवा यूजर्स को ऐसे डिवाइस की जरूरत होती है जो उनके काम करने, संवाद करने और कंटेंट उपभोग करने के तरीके के साथ तालमेल बिठा सकें। गैलेक्सी M17e 5G एक शानदार डिस्प्ले, भरोसेमंद बैटरी, कुशल प्रोसेसिंग, इनेबल्ड कैमरे और इंटेलिजेंट सॉफ्टवेयर को जोड़कर एक संपूर्ण स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करता है। गैलेक्सी M सीरीज पहले से ही भारत में सैमसंग के सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले स्मार्टफोन लाइन-अप में से एक है। गैलेक्सी M17e 5G के साथ सैमसंग इस सीरीज को और विस्तार दे रहा है, जिसमें एक ऐसा डिवाइस है जो प्रमुख स्मार्टफोन फीचर्स में विश्वसनीय परफॉर्मेंस और रोजमर्रा की उपयोगिता प्रदान करता है।

ईरान के कई तेल डिपो पर अमेरिका और इस्राइल का बड़ा हमला

तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच इस्राइल ने ईरान की राजधानी तेहरान में ईंधन भंडारण केंद्रों पर बड़े हमले की पुष्टि की है। इस्राइल की सेना ने कहा कि उसने तेहरान में कई फ्यूल स्टोरेज कॉम्प्लेक्स को निशाना बनाया। हमलों के बाद शहर के कई इलाकों में आग और घना धुआं फैल गया। ईरानी मीडिया के अनुसार दक्षिण तेहरान में स्थित एक तेल डिपो पर भी हमला हुआ। यह पहली बार बताया जा रहा है कि ईरान के तेल ढांचे को इस स्तर पर निशाना बनाया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार दक्षिण तेहरान के एक बड़े तेल भंडारण केंद्र पर अमेरिका और इस्राइल के हमले हुए। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने कहा कि इस हमले में तेल डिपो को निशाना बनाया गया। हालांकि एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया कि पास स्थित मुख्य रिफाइनरी की सुविधाओं को नुकसान नहीं पहुंचा है। इस्राइल की सेना ने भी बयान जारी कर कहा कि उसने तेहरान में कई ईंधन भंडारण परिसरों पर हमला किया है, जिनका इस्तेमाल ईरानी सैन्य ढांचे के संचालन के लिए किया जाता था।

तेहरान में धुएं और आग से दहशत

हमले के बाद शहर में क्या हालात बने?

हमलों के बाद तेहरान और आसपास के इलाकों में भारी धुआं फैल गया। शहर में रहने वाली एक युवती ने बताया कि पूरे शहर में धुआं दिखाई दे रहा था और जलने की गंध महसूस हो रही थी। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में आसमान में आग की ऊंची लपटें दिखाई दीं। बताया गया कि कई जगहों पर रात के समय भी आसमान लाल दिखाई दे रहा था। हालांकि अब तक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शहर में भी लोगों ने जोरदार धमाकों की आवाज सुनी। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि पहले आसमान में तेज लाल रोशनी दिखाई दी और उसके बाद पूरे इलाके में आग की लपटें फैल गईं। उन्होंने कहा कि उनकी मां काफी डर गई थीं और परिवार के लोग छत पर जाकर देखने लगे कि आखिर क्या हुआ है। एक अन्य युवक ने कहा कि धमाके के बाद ऐसा लगा जैसे रात अचानक दिन में बदल गई हो।

क्या फंस गए ट्रंप और नेतन्याहू: अपने विरोधियों को ऐसे झटका देगा ईरान, किस रणनीति पर काम कर रहा

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और अमेरिका के साथ संघर्ष में ईरान की रणनीति पारंपरिक सैन्य जीत हासिल करने की नहीं बल्कि लंबे समय तक टिके रहने की मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार तेहरान विरोधियों के लिए युद्ध को महंगा बनाने की कोशिश कर रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। अमेरिका-इस्राइल जहां जीत की बात कर रहे हैं, तो वहीं ईरान अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। ऐसे में यह सवाल उठने लगा है कि कहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक लंबे संघर्ष में तो नहीं फंसते जा रहे हैं। दरअसल इस मामले पर विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान की सैन्य रणनीति पारंपरिक युद्ध की तरह जीत हासिल करने की नहीं है। उसका मकसद लंबे समय तक संघर्ष जारी रखना और विरोधियों के लिए युद्ध को महंगा बनाना है। माना जा रहा है कि तेहरान अपनी सैन्य और रणनीतिक ताकत का इस्तेमाल इस तरह कर रहा है कि अमेरिका और इस्राइल को लगातार दबाव में रखा जा सके। विश्लेषकों के अनुसार ईरान ने पिछले एक दशक में अपनी सैन्य रणनीति को अलग ढंग से तैयार किया है। उसका ध्यान सीधे सैन्य जीत से ज्यादा अपने शासन और सैन्य ढांचे को सुरक्षित रखने पर है। विशेषज्ञ आमिर अजीमी के अनुसार ईरान को पहले से अंदाजा था कि उसकी बढ़ती क्षेत्रीय भूमिका किसी समय अमेरिका या इस्राइल के साथ सीधे टकराव को जन्म दे सकती है।

इसलिए उसने पहले से ही ऐसी रणनीति पर काम किया जिसमें वह लंबी लड़ाई झेल सके और विरोधियों को लगातार थकाता रहे। दो सिद्धांतों पर आधारित रणनीति... ईरान की सैन्य नीति मुख्य रूप से दो सिद्धांतों पर टिकी है। पहला डिटरेंस यानी विरोधी को हमले से रोकने की क्षमता और दूसरा एंड्यूरेंस यानी लंबे समय तक युद्ध झेलने की तैयारी। मिसाइल क्षमता को मजबूत बनाना... इन मिसाइलों की मदद से वह पश्चिम एशिया में मौजूद कई सैन्य ठिकानों तक हमला कर सकता है। ईरान ने बड़ी संख्या में लंबी दूरी के ड्रोन तैयार किए हैं। ये ड्रोन कम लागत में दूर तक हमला करने की क्षमता रखते हैं और युद्ध के दौरान लगातार दबाव बनाए रखने में मदद करते हैं। क्षेत्रीय सहयोगी समूहों का नेटवर्क... ईरान ने पश्चिम एशिया के कई हिस्सों में सहयोगी सशस्त्र समूहों का नेटवर्क बनाया है। इससे वह अलग-अलग मोर्चों से विरोधियों पर दबाव बना सकता है। अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर दबाव की क्षमता... ईरान भले ही अमेरिका की मुख्यभूमि तक हमला नहीं कर सकता। लेकिन पश्चिम एशिया में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसकी मिसाइल और ड्रोन की पहुंच में आते हैं। इस्राइल भी मारक दायरे में... ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता के कारण इस्राइल भी उसकी सीधी मारक सीमा में आता है।

युद्ध की आर्थिक लागत बढ़ाने की रणनीति क्यों अहम है?

विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान की रणनीति का बड़ा हिस्सा युद्ध की आर्थिक लागत बढ़ाना भी है। अमेरिका और इस्राइल को आने वाले ड्रोन और मिसाइलों को रोकने के लिए बेहद महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों का इस्तेमाल करना पड़ता है। इसके मुकाबले ईरान कई मामलों में कम लागत वाले ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करता है। इसका मतलब यह है कि अगर युद्ध लंबा चलता है तो विरोधियों पर आर्थिक दबाव लगातार बढ़ता जाएगा। हर सफल हमले का असर केवल सैन्य स्तर पर ही नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी पड़ता है।

ऊर्जा मार्ग और समय की भूमिका क्या हो सकती है?: *पश्चिम एशिया में ऊर्जा बाजार भी इस संघर्ष का अहम हिस्सा बन सकता है। फारस की खाड़ी में स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल और गैस मार्गों में से एक है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान को इसे पूरी तरह बंद करने की जरूरत नहीं है। अगर केवल धमकी या सीमित व्यवधान भी पैदा किया जाए तो इससे वैश्विक तेल कीमतों पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर समय भी इस संघर्ष में अहम भूमिका निभा सकता है। ईरान के मिसाइल भंडार सीमित हैं, लेकिन इस्राइल की वायु रक्षा प्रणाली पर भी भारी दबाव है और अमेरिका को भी लंबे सैन्य अभियान की लागत और ऊर्जा बाजार पर असर का आकलन करना पड़ रहा है।*

तीन दिन में ईरान की नौसेना के 42 जहाज किए नष्ट', ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर भी बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने तीन दिनों के भीतर ईरान की नौसेना के 42 जहाज नष्ट कर दिए हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि यह कदम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए उठाया गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की नौसेना को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप ने कहा कि पिछले तीन दिनों में अमेरिका ने ईरान की नौसेना के 42 जहाजों को नष्ट कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्रवाई में ईरान की संचार प्रणाली और सैन्य क्षमताओं को भी गंभीर नुकसान हुआ है। ट्रंप ने यह बयान शील्ड ऑफ अमेरिका समिट में अपने संबोधन के दौरान दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ तेज और सटीक सैन्य कार्रवाई की। उन्होंने दावा किया कि तीन दिनों के भीतर ईरान की नौसेना के 42 जहाजों को खत्म कर दिया गया। ट्रंप के मुताबिक इनमें कई बड़े युद्धपोत भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस अभियान में ईरान की वायुसेना और संचार व्यवस्था को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया गया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर क्या कहा गया? ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने यह कार्रवाई इसलिए की क्योंकि ईरान परमाणु हथियार बनाने के बहुत करीब पहुंच गया था। उन्होंने दावा किया कि अगर अमेरिका ने बी-2 विमान से किया गया मिडनाइट हैमर हमला नहीं किया होता तो ईरान आठ महीने पहले ही परमाणु हथियार हासिल कर सकता था। ट्रंप ने कहा कि इस कार्रवाई से दुनिया को एक बड़े खतरे से बचाया गया है। वेनजुएला को लेकर ट्रंप ने क्या कहा? अपने भाषण में ट्रंप ने वेनेजुएला का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व के तहत एक सटीक सैन्य कार्रवाई की थी। ट्रंप के अनुसार इस ऑपरेशन के दौरान पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका वेनेजुएला की नई सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है और दोनों देशों के बीच सोने और खनिज संसाधनों को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता भी हुआ है।
क्यूबा और अन्य देशों को लेकर क्या संकेत दिए गए?

नेतन्याहू ने ईरान पर क्या आरोप लगाए?

परमाणु खतरे को खत्म करना दुनिया के लिए जरूरी

तेल अवीव , एजेंसी। स्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने हाल के दिनों में आसपास के कई देशों को निशाना बनाया है। इसके साथ ही नेतन्याहू ने इस्राइल की सैन्य ताकत पर कई बातें कही। आइए विस्तार से जानते हैं कि क्या कुछ नेतन्याहू ने ईस्राइली जनता संबोधित किया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना सिर्फ इस्राइल के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर इस्राइल अपने अभियान में सफल होता है तो इससे क्षेत्र में शांति का दायरा और बढ़ेगा और कई नए देशों के साथ सहयोग के रास्ते खुलेंगे। इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि ईरान में अयातुल्ला शासन पूरी दुनिया के लिए खतरा बन गया है। उनके अनुसार हाल के दिनों में ईरान ने अपने आसपास के 12 देशों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि इन देशों की सुरक्षा को लेकर इस्राइल उनके साथ खड़ा है। नेतन्याहू का कहना है कि ईरान की नीतियां पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा

कर रही हैं और इसे रोकना जरूरी है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान से कहा है कि 2024 के युद्धविराम समझौते को लागू करना उसकी जिम्मेदारी है। एक वीडियो बयान में नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान को हिजबुल्लाह को निरस्त्र करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो हिजबुल्ला की कार्रवाई से लेबनान को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

नेतन्याहू ने आगे कहा कि इस्राइल अपने नागरिकों और सीमावर्ती समुदायों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने लेबनान से कहा कि वह अपनी किस्मत खुद तय करे। वहीं क्षेत्र में तनाव के बीच इस्राइल ने लेबनान के कई इलाकों, जिनमें राजधानी भी शामिल है, पर हमले जारी रखे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि कई देशों ने इस्राइल की सैन्य ताकत और उसकी तैयारी को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल की सेना, उसके सैनिकों की बहादुरी और देश की तकनीकी क्षमता ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उनके अनुसार इस्राइल तेहरान के शासकों के खिलाफ मजबूती से खड़ा है और जरूरत पड़ने पर अपनी सुरक्षा के लिए हर कदम उठाने को तैयार है। नेतन्याहू ने दावा किया कि मौजूदा हालात में कई देश इस्राइल के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई देशों ने इस्राइल की क्षमताओं को देखते हुए उससे संपर्क किया है।

अब हमें मदद की जरूरत नहीं, लेकिन याद रखेंगे', ईरान युद्ध पर डोनाल्ड ट्रंप ने स्टार्मर पर साधा निशाना

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर तीखा हमला बोला है। ट्रंप ने कहा कि ब्रिटेन अब मध्य पूर्व में दो विमानवाहक पोत भेजने पर विचार कर रहा है, लेकिन अब इसकी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि युद्ध लगभग जीत लेने के बाद सहयोग देने का कोई मतलब नहीं होता। ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका ऐसे देशों को याद रखता है जो संघर्ष के समय साथ खड़े होते हैं और जो देर से आते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि ब्रिटेन कभी अमेरिका का सबसे बड़ा सहयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि अब ब्रिटेन मध्य पूर्व में दो विमानवाहक पोत भेजने पर विचार कर रहा है, लेकिन अमेरिका को अब उसकी जरूरत नहीं है। ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका उन लोगों को नहीं चाहता जो युद्ध खत्म होने के बाद शामिल होते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यह जरूर याद रखेगा कि किसने कब सहयोग दिया। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री शुरुआती दौर में सैन्य सहयोग देने से हिचक रहे थे।

ट्रंप ने ईरानी शासन पर लगाया आरोप, कहा- इसमें अमेरिका का हाथ नहीं

क्या ईरान ने ही मिनाब स्कूल पर किया हमला?

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के मिनाब शहर के एक स्कूल पर हुआ हमला खुद ईरान ने किया था। इस हमले में 165 लोगों की मौत हुई। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इसमें शामिल नहीं है। आइए, जानते हैं इस पर ट्रंप ने क्या कुछ कहा। अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान के जारी संघर्ष के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के मिनाब शहर में जिस प्राथमिक स्कूल पर हमला हुआ और जिसमें कम से कम 165 लोगों की मौत हुई, उसके पीछे खुद ईरान जिम्मेदार है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस हमले में शामिल नहीं है। ट्रंप से डेलावेयर के डोवर एयर फोर्स बेस पर एक पत्रकार ने पूछा था कि क्या अमेरिका ने उस स्कूल पर हमला किया था। इस पर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का इससे कोई लेना-देना नहीं है और यह हमला ईरान की ओर से किया गया। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि रूस ईरान की मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष में कई तरह की अफवाहें फैल रही हैं, लेकिन अभी तक रूस की प्रत्यक्ष भूमिका के कोई प्रमाण सामने नहीं आए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह नहीं चाहते कि कुर्द बल ईरान के अंदर जाकर किसी तरह की सैन्य कार्रवाई करें। उनके अनुसार इससे क्षेत्र में स्थिति और ज्यादा जटिल हो सकती है। ईरान के नेतृत्व को लेकर ट्रंप का क्या बयान रहा? ट्रंप ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि ईरान में ऐसा राष्ट्रपति हो जो देश को

युद्ध की दिशा में न ले जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका हर कुछ वर्षों में फिर से संघर्ष की स्थिति नहीं चाहता। उनके अनुसार अगर ईरान में ऐसा नेतृत्व आता है जो शांति और स्थिरता को प्राथमिकता देता है तो इससे पूरे क्षेत्र में तनाव कम हो सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर ईरान बिना शर्त आत्मसमर्पण करता है या उसकी सैन्य क्षमता खत्म हो जाती है, तो इसे संघर्ष के अंत के रूप में देखा जाएगा।

डोवर एयर फोर्स बेस पर क्या हुआ?

इस बीच ट्रंप डेलावेयर के डोवर एयर फोर्स बेस पहुंचे, जहां उन्होंने अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में मारे गए अमेरिकी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। वहां अमेरिकी झंडे में लिपटे ताबूतों को विमान से उतारा गया। इस दौरान ट्रंप ने सैनिकों को सलामी दी और उन्हें सम्मान दिया। डोवर एयर फोर्स बेस अमेरिका में युद्ध में मारे गए सैनिकों के पार्थिव शरीर लाने का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

तेल की कीमतों और हमलों के आरोपों पर क्या बोले ट्रंप?

ट्रंप ने कहा कि मौजूदा संघर्ष के कारण तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, लेकिन बाद में वे तेजी से गिर भी सकती हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार इस स्थिति को धीरे-धीरे संभाल लेगा। वहीं ईरान के उस दावे पर कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास क़ेश्म द्वीप पर जल शोधन संयंत्र को निशाना बनाया, ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

ईरान का हमला: ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 की 27वीं स्ट्राइक, नए ड्रोन-मिसाइलों से अमेरिका-इस्राइल ठिकानों पर निशाना

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 के तहत 27वीं लहर के हमलों की शुरुआत करने का दावा किया है। ईरान के इस विशिष्ट सैन्य बल ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिका और इस्राइल की ओर से कथित उकसावे वाली सैन्य कार्रवाई के जवाब में की गई है। ईरानी सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, इस चरण में ड्रोन और मिसाइलों के संयुक्त हमले किए गए, जिनका मुख्य निशाना इस्राइल के उत्तरी हिस्सों में मौजूद सैन्य ढांचे को बनाया गया। आईआरजीसी ने बताया कि इस हमले में उसकी एयरोस्पेस डिवीजन ने नए खैबर-शेकन सॉलिड-फ्यूल मिसाइलों का उपयोग किया। इन मिसाइलों में टारगेट तक पहुंचने के अंतिम चरण तक मार्गदर्शन की क्षमता मौजूद है। ईरानी सैन्य बयान के मुताबिक इन मिसाइलों से इस्राइल के उत्तरी शहर हाइफा में मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार आईआरजीसी ने ड्रोन के

जरिए उन इलाकों को भी निशाना बनाया जहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। दावा किया गया कि एक ड्रोन यूनिट ने उस स्थान को निशाना बनाया जहां अमेरिकी बल मौजूद थे और जो वार्नर ब्रदर्स कंपनी की इमारतों के पास स्थित है। आईआरजीसी ने यह भी कहा कि उसकी नौसेना ने बहरीन के सलमान पोर्ट पर मौजूद अमेरिकी नौसेना के ढांचे को निशाना बनाया। यह स्थान अमेरिकी नेवी के पांचवें फ्लीट से जुड़ा माना जाता है। ईरानी सेना के अनुसार यहां मानव रहित सतही जहाजों के कमांड सेंटर और सैन्य सहायता हैंगर पर हमले किए गए। ईरान का दावा है कि इन हमलों के बाद इस्राइल के कई क्षेत्रों में लगातार आपातकालीन सायरन बज रहे हैं और हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। आईआरजीसी ने यह भी आरोप लगाया कि इस्राइली प्रशासन सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए नागरिकों को कुछ इलाकों में सीमित कर रहा है।

आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा कि ईरानी सशस्त्र बल लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के लिए तैयार हैं और उनकी यूनिट्स सटीक योजना के साथ अमेरिकी बलों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं।गौरतलब है कि ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 की शुरुआत पिछले सप्ताह विदेशी हमलों के बाद हुई थी। इसके बाद से ईरान की ओर से सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइल और आत्मघाती ड्रोन दागे जाने का दावा किया गया है। इनमें तेल अवीव, यरूशलेम और बेर्शेबा जैसे अहम इलाकों को निशाना बनाने की बात कही गई है।

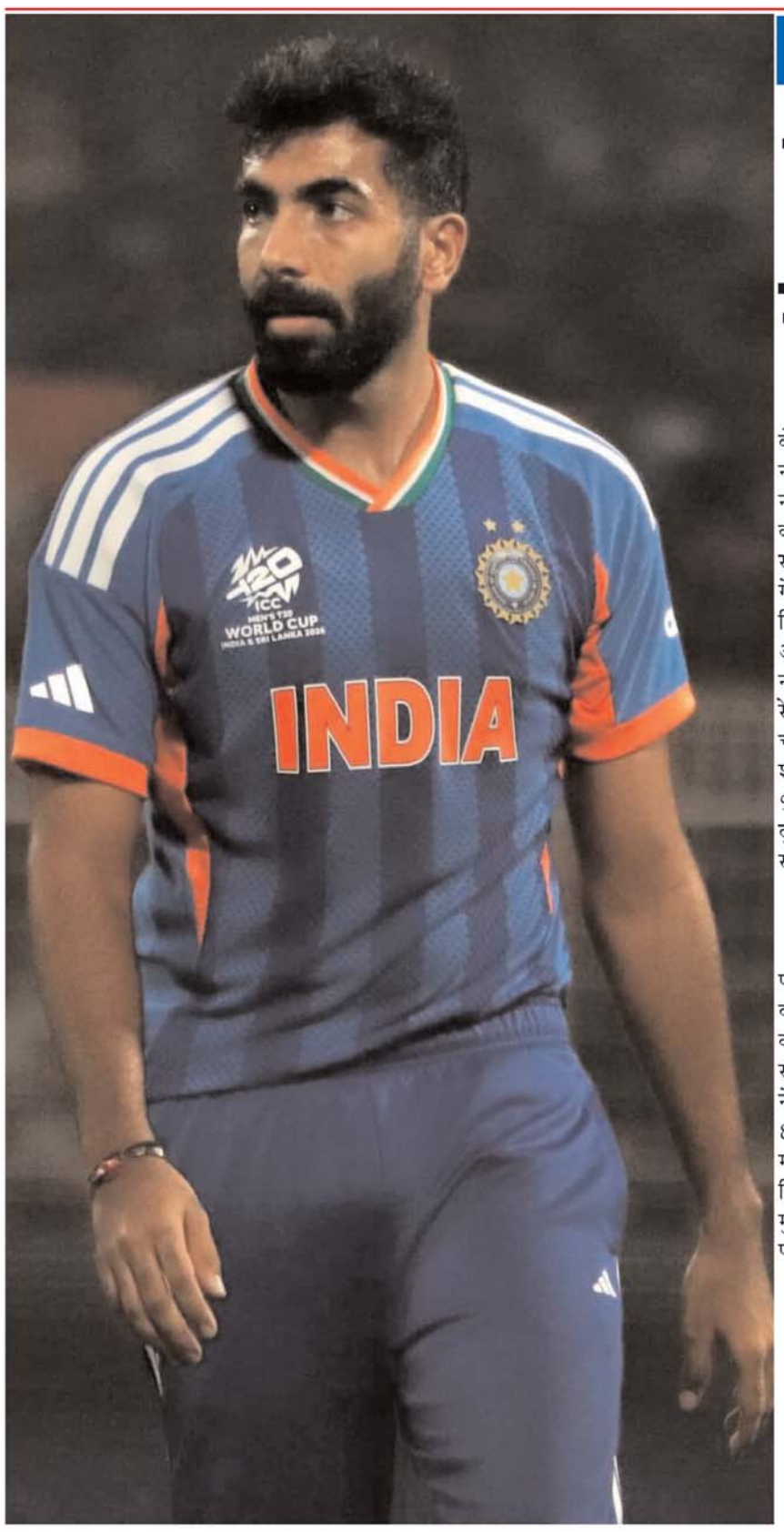

एक के बाद एक बनाए कई रिकॉर्ड्स

फाइनल में संजू सैमसन ने खेली ऐतिहासिक पारी

अहमदाबाद। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया की भिड़ंत न्यूजीलैंड के साथ हो रही है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में संजू सैमसन का बल्ला एक बार फिर जमकर बोला है। संजू ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 89 रनों की दमदार पारी खेली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने लगातार तीसरा अर्धशतक लगाते हुए कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। संजू सैमसन ने 193 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए अपनी तूफानी पारी में 5 चौके और 8 छक्के लगाए। उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 98 रनों की शानदार साझेदारी निभाई। वहीं दूसरे विकेट के लिए संजू ने ईशान किशन के साथ मिलकर 105 रन जोड़े।

फाइनल में खेल डाली सबसे बड़ी पारी

संजू सैमसन टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 89 रनों की दमदार पारी खेलने के साथ ही मार्लोन सैमुअल्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सैमुअल्स ने टी20 विश्व कप 2016 के फाइनल में 85 रनों की नाबाद पारी खेली थी। उन्होंने इस मामले में विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। संजू टी20 विश्व कप के खिताबी मुकाबले में भारत की ओर से सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं।

बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच, सैमसन प्लेयर ऑफ द सीरीज

फाइनल मुकाबले में 15 रन देकर 4 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। वहीं, 5 मैच में 3 फिफ्टी के सहारे 321 रन बनाने वाले संजू सैमसन को प्लेयर ऑफ सीरीज चुना गया।

अभिषेक शर्मा ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी

उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में 21 गेंद में 52 रनों की तूफानी पारी के दौरान कई सारे कीर्तिमान बना डाले. इस मैच में उन्होंने मात्र 18 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया था. इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 3 छक्के लगाए. यहां जान लीजिए फाइनल मैच में अभिषेक ने कौन से 3 रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं. अभिषेक 21 गेंद में 52 रन बनाकर आउट हुए.

ब्रीफ न्यूज़

ब्रेट रैंडेल ने पांच गेंदों में पांच विकेट लिए

न्यूजीलैंड । न्यूजीलैंड के घरेलू टूर्नामेंट प्लंकेट शील्ड में 8 मार्च को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के ब्रेट रैंडेल नाम के तेज गेंदबाज ने इतिहस रच दिया। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स और नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के बीच नेपियर के मैकलीन पार्क में खेले जा रहे मुकाबले में रैंडेल ने पहली पारी में लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट झटक लिए।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में पहली बार किसी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटके हैं। इससे पहले आयरलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैम्फर ने 2021 में एक घरेलू टी-20 मैच में लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटके थे।

रैंडेल ने कार्टर को कैच आउट कराकर हैट्रिक पूरी की

रैंडेल की गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की टॉप ऑर्डर ढह गई। टीम 9 रन पर 5 विकेट गंवा बैठी, वह भी सिर्फ रैंडेल की पांच गेंदों में। रैंडेल ने अपनी दूसरी ओवर की आखिरी गेंद पर ओपनर हेनरी कूपर को बोल्ड किया। अगली ओवर की पहली गेंद पर जीत रावल को आउट किया। इसके बाद जो कार्टर को कैच आउट कराकर हैट्रिक पूरी की।

हंपी के बाद दिव्या भी शीर्ष दस महिला शतरंज खिलाड़ियों में शामिल

प्राग । भारत की दिव्या देशमुख विश्व शतरंज रैंकिंग में संयुक्त रुप से दसवें स्थान पर पहुंच गयी है। दिव्या 2510 रेटिंग अंकों के साथ विश्व की शीर्ष दस महिला खिलाड़ियों में शामिल हो गयी हैं। दिव्या ने यहां जारी फ़ीडे कैंडिडेट के पहले प्राग चैलेंजर में 9 दौर के में 5 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं भारत की ही कोनेरू हंपी 2535 अंकों के साथ शीर्ष पांच में बरकरार हैं। वहीं चीन की तीसरे नंबर की महिला खिलाड़ी जू जिनर भी 2.5 अंकों के साथ ही संयुक्त रुप से अंतिम स्थान पर रही। दूसरी ओर पूरुष वर्ग की बात करें तो भारत के सूर्य शेखर गांगुली 4 अंक हासिल करने के साथ ही आठवें नंबर पर आ गये हैं। वहीं चेक गणराज्य के फिनेक वैक्लेव 6.5 अंकों के साथ ही पहले और स्पेन के यूफ़ा डेनियल 6 अंक के साथ ही दूसरे स्थान पर रहे।

मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम विश्वकप में भाग नहीं ले पायी

नई दिल्ली । मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

अमीलिया कर ने 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

जिम्बाब्वे के खिलाफ विमेंस वनडे में 7 विकेट लिए; न्यूजीलैंड विमेंस से बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस

डुनेडिन। यूजीलैंड विमेंस की कप्तान अमीलिया कर ने रविवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल मैदान में इतिहास रच दिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे में कर ने महज 34 रन देकर 7 विकेट झटके। यह न्यूजीलैंड विमेंस के लिए वनडे क्रिकेट में अब तक की बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस है।

जिम्बाब्वे की पारी 102 रन पर सिमटी

न्यूजीलैंड की घातक गेंदबाजी के सामने जिम्बाब्वे की टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पूरी टीम 102 रन ही बना पाई। ओपनर केलिस एनध्लोवु ने 12 और विकेटकीपर मोडेस्टर मुपाचिक्वा ने 32 रन बनाकर टीम को 50 के पार पहुंचाया। वहीं औड्रे माज्विशाया ने 13 और तेंदाई माकुशा ने 12 रन बनाकर जिम्बाब्वे को किसी तरह 100 रन के पार कराया।

न्यूजीलैंड के लिए मौली पेनफोल्ड ने जिम्बाब्वे के टॉप ऑर्डर को तोड़ते हुए शुरुआती 3 विकेट लिए। इसके बाद कर ने मोर्चा संभाला और एक के बाद एक 7 विकेट लेकर जिम्बाब्वे की कमर तोड़ दी। ब्री इलिंग, रोजमेरी मेयर और नेन्सी पटेल कोई विकेट नहीं ले पाई।

दुनिया की 7वीं गेंदबाज बनीं अमीलिया

अमीलिया कर दुनिया की 7वीं ही गेंदबाज बनीं, जिन्होंने एक विमेंस वनडे में 7 विकेट लिए। इस क्लब में पाकिस्तान की साजिदा शाह, ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी, अलाना किंग, शेली निशके, वेस्टइंडीज की अनीसा मोहम्मद और इंग्लैंड की जो चेम्बरलैन शामिल हैं।

जैकी लॉर्ड का 1982 में बना रिकॉर्ड तोड़ा

अमीलिया कर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 7 विकेट लेकर जैकी लॉर्ड का 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। जैकी ने 1982 के विमेंस वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ महज 10 रन देकर 6 विकेट लिए थे। तब से कोई भी कीवी गेंदबाज एक पारी में 7 विकेट नहीं ले पाई थीं।

28 मार्च से शुरू होगा IPL 2026

मुंबई। पहले टूर्नामेंट 26 मार्च से शुरू होना था, लेकिन तमिलनाडु, केरल, असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में होने वाले चुनावों के कारण शेड्यूल में बदलाव किया गया है। हालांकि IPL की ओर से अभी तक टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

चुनाव के कारण दो चरणों में आ सकता है शेड्यूल

2008 में IPL शुरू होने के बाद जब भी देश में आम चुनाव (2009, 2014, 2019 और 2024) या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए हैं, टूर्नामेंट का शेड्यूल दो हिस्सों में जारी किया गया है। ऐसे में संभावना है कि इस बार भी BCCI ऐसा ही करेगा।

चेपॉक, ईडन गार्डन्स में होते हैं मैच

विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में तीन ऐसे प्रमुख स्टेडियम हैं आईपीएल वेन्यू के रूप में इस्तेमाल होते रहे हैं। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) चेन्नई सुपर किंग्स का होम ग्राउंड है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित ईडन गार्डन्स कोलकाता नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान है, जबकि असम के गुवाहाटी में बना बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स का सेकेंड होम वेन्यू रहा है।

बेंगलुरु में होगा ओपनिंग और फाइनल मैच

कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी संतोष मेनन ने कन्फर्म किया कि बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही ओपनिंग और फाइनल मैच खेले जाएंगे। होम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस बार अपने 5 होम मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से हराया; कप्तान हीली का आखिरी मैच था

20 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में हारी भारतीय महिला टीम

पर्थ। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को टेस्ट में 20 साल बाद हार झेलनी पड़ी है। उसे ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान एलिसा हीली के आखिरी मैच में 10 विकेट से हराया। इंडियन टीम को आखिरी हार 18 फरवरी 2006 को एडिलेट के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही मिली है। इन 20 सालों में टीम ने 9 टेस्ट खेले, इसमें से 6 जीते और 3 ड्रॉ रहे थे।

पर्थ के WACA ग्राउंड में रविवार को मेजबानों को महज 25 रन का टारगेट मिला था, जिसे होम टीम ने सिर्फ 4.3 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। जॉर्जिया वॉल 16 और फोबी लीचफील्ड 11 रन बनाकर नाबाद लौटीं।

भारतीय टीम ने 105 के स्कोर से दिन की शुरुआत की और 149 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन बनाए थे। जबकि भारतीय टीम पहली पारी में 198 रन पर ऑलआउट हो गया। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 125 रन की बढ़त मिली। एनाबेल सदरलैंड प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

क्रांति-दीप्ति ने 2-2 विकेट लिए

भारत की तरफ से सायली सतघरे ने 50 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए। स्नेह राणा और शेफाली वर्मा ने 1-1 खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा।

इंडिया ने 44 रन बनाने में गंवाए आखिरी 4 विकेट

मैच के तीसरे दिन प्रतिका रावल ने 43 रन और स्नेह राणा ने 14 रन से अपनी-अपनी पारी को आगे बढ़ाया। इन दोनों के आउट होने के बाद टीम को ऑलआउट होने में देर नहीं लगी। टीम ने आखिरी 44 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए। टीम ने महज 24 रन की बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलिया की लुसी हेमिल्टन ने 3 विकेट झटके। एनाबेल सदरलैंड, अलाना किंग और एश्ले गार्डनर ने 2-2 विकेट झटके।

प्रतिका रावल की डेब्यू टेस्ट में फिफ्टी

नंबर-3 पर बल्लेबाजी कर रही प्रतिका रावल ने अपने डेब्यू टेस्ट में फिफ्टी लगाई। उन्होंने दिन के 5वें ओवर में अलान किंग की चौथी बॉल पर सिंगल लिया और फिफ्टी पूरी की। प्रतिका ने पहली पारी में 18 रन बनाए थे।

प्रतिका रावल

रन	गेंद	4/6	स्ट्राइक रेट
63	137	8/0	45.98

एनाबेल सदरलैंड
प्लेयर ऑफ द मैच

विकेट	रन
6	129

सदरलैंड ने 129 रन बनाए

पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया टीम के 3 बल्लेबाज केवल 58 रन पर पवेलियन लौट गए थे। यहां से सदरलैंड ने पारी संभाली और एलिस पैरी के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 169 गेंदों में 128 रन की साझेदारी निभाई। पैरी 116 गेंदों में 76 रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद सदरलैंड ने बेथ मूनी के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। सदरलैंड ने 171 बॉल पर 129 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ने 90.4 ओवर तक बैटिंग की।

मिस्र में चीन के मेन जिंग एफआईएच हॉकी विश्वकप क्वालीफायर में गेंद लेकर निकलते हुए।

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर भूनेश्वरी चतुर्वेदी बनीं आत्मनिर्भर, आज बढ़ा रहीं परिवार की आय

लखपति दीदी की कहानी - दीदी की जुबानी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला बेमेतरा के जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम साकरा की रहने वाली भूनेश्वरी चतुर्वेदी आज ÷लखपति दीदी÷ के रूप में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन की दिशा में स्वयं सहायता समूहों की पहल ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। भूनेश्वरी चतुर्वेदी महिला विकास स्वयं सहायता समूह, ग्राम साकरा से जुड़ी हुई हैं और आज अपने परिश्रम और संकल्प के बल पर आत्मनिर्भर बनकर अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं। भूनेश्वरी चतुर्वेदी बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी। परिवार के भरण-पोषण के लिए वे कृषि कार्य और मजदूरी पर निर्भर रहती थीं। इसके साथ ही उन्होंने गांव में एक छोटा सा फैंसी स्टोर भी शुरू किया था, लेकिन सीमित संसाधनों और

पूंजी की कमी के कारण व्यवसाय को आगे बढ़ाना आसान नहीं था। इससे होने वाली आय से परिवार का गुजारा तो हो जाता था, लेकिन आर्थिक प्रगति की संभावनाएँ सीमित थीं। उन्होंने 31 सितंबर 2020 को महिला विकास स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन में एक नई शुरुआत की। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें समूह के माध्यम से सीआईएफ (कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड) और बैंक ऋण की सुविधा मिली। इस आर्थिक सहयोग ने उनके सपनों को नया आधार दिया। उन्होंने समूह से प्राप्त ऋण की राशि से अपने फैंसी स्टोर की दुकान का विस्तार किया और दुकान में फोटो कॉपी मशीन, साड़ियों का व्यवसाय तथा सिलाई मशीन की व्यवस्था की। इसके साथ ही उन्होंने सिलाई का कार्य भी प्रारंभ किया, जिससे उनकी आय के नए स्रोत बन गए। आज उनकी दुकान गांव में एक छोटे स्वरोजगार केंद्र के रूप में विकसित हो चुकी है। गांव के लोग यहां फोटो कॉपी, साड़ी खरीदने और सिलाई से जुड़े कार्यों के लिए आते हैं। इन गतिविधियों से उन्हें हर महीने अच्छी आमदनी होने लगी है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। वे न केवल अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर पा रही हैं, बल्कि बच्चों की शिक्षा और घर के अन्य खर्चों को भी सहजता से संभाल रही हैं। भूनेश्वरी चतुर्वेदी बताती हैं कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक सहयोग के साथ-साथ आत्मविश्वास, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन भी मिला। समूह की बैठकों और गतिविधियों ने उन्हें व्यवसाय प्रबंधन, बचत और आय बढ़ाने के तरीके सिखाए। आज वे आत्मनिर्भर बनकर गांव की अन्य महिलाओं को भी समूह से जुड़कर स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। भूनेश्वरी चतुर्वेदी की यह सफलता कहानी इस बात का उदाहरण है कि यदि महिलाओं को सही अवसर, मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग मिले तो वे अपने जीवन की दिशा बदल सकती हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आजीविका के नए अवसर मिल रहे हैं और वे आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रही हैं।

गोरखापाली में कोटवार रथराम गोंड प्रकरण मामले का सक्ती कलेक्टर नें जांच का दिए आदेश

सक्ती/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अमृत विकास तोपनो ने ग्राम गोरखापाली में कोटवार रथराम गोंड पर हुए प्राणघातक हमले के प्रकरण में दंडाधिकारी जांच के आदेश जारी किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक सक्ती के पत्र के आधार पर थाना मालखरौदा, तहसील अड़भार अंतर्गत ग्राम गोरखापाली में दिनांक 04 मार्च 2026 को सुबह प्रार्थी सनत पटेल अपने खेत के डबरी तालाब के पास लगभग 11 बजे पहुंचे थे। उस समय गांव के आनंद राम कुर्रे तथा कोटवार रथराम गोंड भी वहां मौजूद थे। बताया गया है कि उसी गांव के सुखदेव कुर्रे, अरुण कुर्रे एवं कमलेश कुर्रे हाथ में लकड़ी की

बल्लियां और कांड लेकर वहां पहुंचे और पुरानी रंजिश की बात को लेकर गाली-गलौज करते हुए कोटवार रथराम गोंड के सिर पर प्राणघातक हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे प्रार्थी के सामने ही सुखदेव कुर्रे ने बल्लियों से मारपीट की, जिससे कोटवार रथराम गोंड के सिर एवं बाएं पैर में गंभीर चोटें आईं और वे बेहोश हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों की मदद से घायल कोटवार रथराम गोंड को जिला अस्पताल सक्ती में भर्ती कराया गया। प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें शासकीय चिकित्सालय जांजगीर भेजा गया तथा बेहतर उपचार के लिए बाद में बिलासपुर अस्पताल रेफर किया गया।इस संबंध में थाना मालखरौदा में दिनांक 04 मार्च 2026 को अपराध क्रमांक 92/2006 भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 351(3), 115(2), 109(1), 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 196 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घटना की दंडाधिकारी जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच के लिए डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डभरा, जिला सक्ती श्री विनय कश्यप को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जांच के दौरान घटना कब और कैसे हुई, घटना स्थल पर कौन-कौन उपस्थित थे, किन परिस्थितियों में घटना घटी, इसके लिए कौन-कौन जिम्मेदार हैं तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक उपाय एवं सुझाव सहित अन्य बिंदुओं पर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत कराने के आदेश दिए गए है। जांच अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे तीन माह के भीतर जांच पूर्ण कर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

श्यामसुंदर अग्रवाल की मांग पर सांसद के सहयोग से सभी वार्डों में खुदेंगे पानी के नए बोर

सक्ती/मूक पत्रिका

नगर में लगातार गिरते जल स्तर और बढ़ती पेयजल समस्या को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने जांजगीर लोकसभा क्षेत्र की सांसद कमलेश जांगड़े से सक्ती नगर के सभी वार्डों में बोर खनन कर पंप स्थापना करवाने की मांग की थी। नपा अध्यक्ष की इस मांग पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सांसद कमलेश जांगड़े ने लगातार गिरते जल स्तर को देखते हुए नगर के सभी वार्डों में बोर खनन करवाने की स्वीकृति प्रदान की, जिससे अब नगर में पेयजल संकट के समाधान की दिशा में ठोस पहल शुरू हो गई है। इसी तारतम्य में आज वार्ड क्रमांक 5 में विधिवत रूप से बोर खनन कार्य का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष भरत यादव, वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद लाला सोनी, वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद पिंटू यादव, वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद हुलास देवांगन सहित नगरवासी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को नगर के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए खुशी जाहिर की। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि नगर के कई वार्डों में पेयजल की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी। इसे देखते हुए सांसद कमलेश जांगड़े से बोर खनन की मांग की गई थी, जिस पर सांसद ने तुरंत स्वीकृति प्रदान करते हुए नगरवासियों की बड़ी समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नगरवासियों ने सांसद कमलेश जांगड़े और नपा अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल की इस जनहितैषी पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे आने वाले समय में लोगों को पेयजल समस्या से काफी राहत मिलेगी।

स्वच्छ भारत मिशन पर सवालः हिंडालको का शौचालय और सौर पानी टंकी वर्षों से बिना पानी, ग्रामीण परेशान

कागजों में विकास, जमीन पर बदहाल व्यवस्था - सामरी, कूटकूपारा में शौचालय और सोलर पानी टंकी बेकार

कुसमी/सामरी/मूक पत्रिका

सद्दाम खान/कुसमी- ग्राम पंचायत सामरी के कूटकू पारा में हिंडालको कंपनी द्वारा सीएसआर मद से वर्ष 2017-18 में सार्वजनिक शौचालय तथा सौर ऊर्जा से संचालित पानी टंकी का निर्माण कराया गया था, लेकिन निर्माण के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक इन सुविधाओं का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण वह उपयोग के लायक नहीं है, वहीं सौर ऊर्जा से संचालित पानी टंकी में भी आज तक पानी नहीं पहुंच सका।

मीडिया द्वारा ग्राउंड जीरो पर जाकर ग्रामीणों से बातचीत करने पर पता चला कि हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, खान प्रभाग सामरी द्वारा गांव के लोगों की सुविधा के लिए यह निर्माण कराया गया था, लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण यह सिर्फ शोपीस बनकर रह गया है।

बताया कि-शौचालय बनने के बाद से आज तक उसमें पानी नहीं आया और न ही सौर पानी टंकी में पानी पहुंच सका। उन्होंने कहा कि इस संबंध में हिंडालको के सीएसआर प्रमुख विजय मिश्रा को लिखित आवेदन भी दिया गया था! लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है।

कहा-कि गांव में पानी की समस्या बनी हुई है, और शौचालय तथा पानी टंकी होने के बावजूद उसका लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने मीडिया के माध्यम से संबंधित विभाग और कंपनी से मांग की है, कि जल्द से जल्द पानी की व्यवस्था दुरुस्त की जाए, ताकि गांव के लोगों को सुविधा मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर

बनाए गए शौचालय और सौर ऊर्जा से संचालित पानी टंकी का उपयोग नहीं होना कहीं न कहीं स्वच्छ भारत मिशन की मंशा पर भी सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों ने मांग की है, कि जिम्मेदार विभाग और कंपनी जल्द इस समस्या का समाधान करें, ताकि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके।

जिला पंचायत सीईओ ने पीएम श्री विद्यालय भानुप्रतापपुर का किया निरीक्षण, शिक्षण व्यवस्था और लैब का लिया जायजा

शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए शिक्षकों को किया प्रेरित

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / :-उत्तर बस्तर कांकेर, 8 मार्च 2026 पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानुप्रतापपुर में जिला उत्तर बस्तर कांकेर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरेश मंडावी ने विद्यालय का निरीक्षण किया तथा विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तृत अवलोकन किया। साथ ही लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स कक्ष और म्यूजिक कक्ष का अवलोकन करते हुए वहां उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों की जानकारी ली। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने शिक्षकों की बैठक लेकर विद्यार्थियों की सतत

शैक्षणिक प्रगति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण योजना ÷हमर लक्ष्य÷ के तहत आगामी परीक्षाओं में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शौचालय व्यवस्था, पेयजल सुविधा और मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का भी अवलोकन किया गया। इसके अलावा उन्होंने आवश्यक व्यवस्थाओंको सुचारु रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और विद्यालय प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर विभाग के अधिकारी कर्मचारीगण, संस्था के प्राचार्य, विकासखंड शिक्षा अधिकारी और सभी कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित थे।

आज की नारी के जज़्बे को सलाम' कार्यक्रम में बस्तर की शिल्पा साहू सम्मानित

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / महिला दिवस के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम ÷आज की नारी के जज़्बे को सलाम÷ में बस्तर की समाजसेवी शिल्पा साहू को ÷जननायिका नारी शक्ति सम्मान÷ से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रेमन डेका छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, के करकमलों से प्रदान किया गया। इस गरिमामय अवसर पर अरुण साव (छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री) तथा मोतीलाल साहू भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कई महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं की भूमिका, उनके संघर्ष और उनकी

उपलब्धियों को सम्मान देना तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना । बस्तर क्षेत्र में सामाजिक कार्यों और महिला जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिल्पा साहू को यह सम्मान प्रदान किया गया।सम्मान प्राप्त करने के बाद शिल्पा साहू ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं बल्कि बस्तर की उन सभी महिलाओं का है जो अपने साहस, मेहनत और समर्पण से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने भी महिलाओं की शक्ति, उनके आत्मविश्वास और समाज में उनके बढ़ते योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही है और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

जनपद पंचायत अध्यक्ष सदस्य व अधिकारी कर्मचारियों ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

बरमकेला/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत बरमकेला के जनपद अध्यक्ष/जनपद सदस्य और जनपद मुख्यालय के अधिकारी कर्मचारियों ने नदिगाव गार्डन परिसर में शनिवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जनपद अध्यक्ष/ सदस्य और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रतिनिधियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं और फूलों की होली खेलकर भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनपद सदस्य व प्रतिनिधि और जनपद कर्मी मौजूद रहे। होली मिलन समारोह की शुरुआत जनपद पंचायत के पदाधिकारियों ने की। जनपद पंचायत के अध्यक्ष डॉक्टर विद्या किशोर

चौहान और अ जा आयोग के पूर्व सदस्य पुनीत राम चौहान ने सभी जनपद सदस्य और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। इसके बाद सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान पूरे गार्डन परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। समारोह में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय पटेल, एसडीओ एल के जांगड़े सहित जनपद के सभी कर्मचारी शामिल हुए। अधिकारियों और सदस्यों ने मिलकर फूलों की होली खेली और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर सभी ने कहा कि होली का पर्व प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से आपसी संबंध और अधिक मजबूत होते हैं। कार्यक्रम के दौरान जनपद सदस्य और कर्मचारियों ने होली गीतों पर भी आनंद लिया। पूरे माहौल में रंग, गुलाल और हंसी-खुशी की झलक साफ दिखाई दे रही थी। अंत में सभी ने क्षेत्रवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्य रूप से जनपद अध्यक्ष डॉक्टर विद्या किशोर चौहान, अजय पटेल मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एसडीओ एल के जांगड़े, पीओ कमलेश मेहरा, इंजीनियर भुनेश्वर संगीता पटेल, ओमप्रकाश (पिंटू) चौहान जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि, पुनीत राम चौहान अ.जा. आयोग पूर्व सदस्य, जनपद सदस्य चंदा उज्वल मिरी,तुलसी अभिमन्यु पटेल,अनीता शंभू नाथ प्रधान, आनंद साव, विश्वदेव भोई, हेमकुवर पुनीत राम चौहान, लक्ष्मीचरण सिदार, कौशल्या पवन नायक, घनश्याम इजारदार, राधा विनोद सिदार, रोहित वर्मा प्रतिनिधि, महेंद्र एक्का प्रतिनिधि,योगेश पटेल, गंगेश्वर नायक घनश्याम (पिंटू) चौहान सहित जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।